दैनिक
बुद्ध का संदेश
हिन्दी समाचार पत्र
एक विश्वास....

लखनऊ, कानपुर, कन्नौज, बरेली, सीतापुर, सोनभद्र, गोण्डा, बाराबंकी, बलरामपुर, श्रावस्ती, बहराइच, अम्बेडकरनगर, फैजाबाद, बस्ती, संतकबीरनगर, गोरखपुर, कुशीनगर, देवरिया, महराजगंज, रामपुर, रायबरेली, सिद्धार्थनगर में एक साथ प्रसारित।

सम्पादक : राजेश शर्मा

दैनिक बुद्ध का संदेश 8795951917, 9415163471 @budhakasandesh budhakasandeshnews@gmail.com www.budhakasandesh.com

उत्तर प्रदेश सरकार एवं भारत सरकार (DAVP) से सरकारी विज्ञापनों के लिए मान्यता प्राप्त

जाह्नवी कपूर की फिल्म लग जा...8

सिद्धार्थनगर
बुधवार, 06 मई 2026
वर्षः 13 अंक : 137 पृष्ठः 8
आमंत्रण मूल्य 2/–रूपया

ममता बनर्जी के इस्तीफा देने से इनकार

क्या अटकेगी बंगाल के नए सीएम की शपथ?

कोलकाता। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के परिणामों ने राज्य की राजनीति में बड़ा उलटफेर कर दिया है। तृणमूल कांग्रेस को करारी हार का सामना करना पड़ा, जबकि भारतीय जनता पार्टी ने ऐतिहासिक जीत दर्ज करते हुए सत्ता की ओर कदम बढ़ा दिए हैं। हालांकि, मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने हार मानने से साफ इंकार कर दिया है और स्पष्ट कहा है कि वह इस्तीफा नहीं देंगी। कोलकाता में प्रेस वार्ता के दौरान ममता बनर्जी ने बेहद आक्रामक रुख अपनाते हुए कहा कि उनकी पार्टी चुनाव नहीं हारी है बल्कि साजिश का शिकार हुई है। उन्होंने कहा, ष्हम हारे नहीं हैं। इस्तीफा देने का कोई सवाल ही नहीं उठता।ष उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि चुनाव प्रक्रिया में सीधे तौर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने हस्तक्षेप किया। ममता बनर्जी ने चुनाव आयोग पर भी गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को इस चुनाव का ष्खलनायकष बताते हुए कहा कि लोकतांत्रिक अधिकारों की लूट हुई है और ईवीएम में भी गड़बड़ी की गई। उन्होंने सवाल उठाया कि मतदान के बाद मशीनों में असामान्य रूप से अधिक चार्ज कैसे बचा रह सकता है। साथ ही उन्होंने आरोप लगाया कि चुनाव से पहले उनके कार्यकर्ताओं को गिरफ्तार किया गया, छापेमारी हुई और प्रशासनिक अधिकारियों का मनमाना तबादला किया गया।

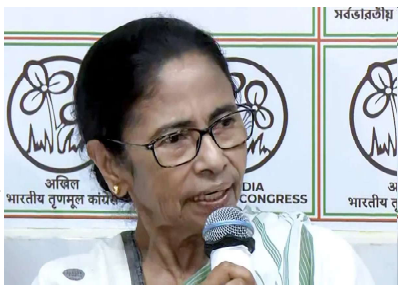

उन्होंने यह भी दावा किया कि मतदाता सूची से लाखों नाम हटाए गए। उनके अनुसार करीब 90 लाख नाम हटाए गए थे, जिनमें से अदालत के हस्तक्षेप के बाद 32 लाख नाम वापस जोड़े गए। उन्होंने इसे चुनावी ध गांधली का हिस्सा बताते हुए कहा कि यह बेहद सुनियोजित और गलत तरीके से किया गया खेल था। ममता ने यह भी आरोप लगाया कि उनकी लगभग 100 सीटें जबरन छीनी गई हैं। ममता बनर्जी ने आगे की रणनीति के लिए विचार विमर्श की बात कही है और एक जांच दल बनाने की घोषणा भी की है। ममता बनर्जी ने कहा, ष्सोनिया जी, राहुल गांधी, अरविंद केजरीवाल, उद्धव ठाकरे, अखिलेश यादव, तेजस्वी यादव, हेमंत सोरेन ने मुझे फोन किया। छकष। गठबंधन के सभी साथियों ने मुझसे कहा कि वह पूरी तरह से मेरे साथ हैं। मुझे लगता है कि आने वाले दिनों में हमारी एकजुटता और मजबूत रहेगी। उन्होंने कहा कि अखिलेश ने मुझसे अनुरोध किया कि क्या वह आज ही आ सकते हैं, लेकिन मैंने उनसे कहा कि कल आएँ। तो, वह कल आएँगे। एक–एक करके सब आएँगे। मेरा लक्ष्य बहुत साफ है। मैं छकष। गठबंधन को मजबूत करूँगी, बिल्कुल एक आम आदमी की तरह। अब मेरे पास कोई कुर्सी नहीं है, इसलिए मैं एक आम आदमी हूँ। इसलिए, आप मुझसे यह नहीं कह सकते कि मैं अपनी कुर्सी का इस्तेमाल कर रही हूँ। मैं अब एक आजाद पंछी हूँ। मैंने अपनी पूरी जिंदगी लोगों की सेवा में लगा दी, इन 15 सालों में मैंने पेंशन का एक पैसा भी नहीं निकाला। मैं तनख्वाह का एक पैसा भी नहीं ले रही हूँ। लेकिन अब, मैं एक आजाद पंछी हूँ।ष दूसरी ओर, भारतीय जनता पार्टी ने इस जीत को जनता के भरोसे का परिणाम बताया है। पार्टी के अनुसार, इस जीत के पीछे कई अहम कारण रहे। महिलाओं का झुकाव भाजपा की ओर बढ़ा, सरकारी कर्मचारियों को सातवें वेतन आयोग का वादा आकर्षित कर गया और मध्यम वर्ग तथा युवाओं ने विकास के मुद्दे पर भाजपा का समर्थन किया। इसके अलावा, केंद्रीय सुरक्षा बलों की तैनाती ने मतदाताओं में भयमुक्त मतदान का भरोसा पैदा किया। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि बेरोजगारी, उद्योगों की कमी और भ्रष्टाचार जैसे मुद्दों ने तृणमूल सरकार के खिलाफ माहौल तैयार किया।

बंगाल में संस्कृति और पहचान की जीत

बीजेपी की सफलता को किरेन रिजिजू ने बताया निर्णायक

केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनावों में भारतीय जनता पार्टी की निर्णायक जीत को भारत के अस्तित्व की लड़ाई और देश के लोकतंत्र और सांस्कृतिक पहचान के लिए एक निर्णायक क्षण बताया। एएनआई को संबोधित करते हुए रिजिजू ने कहा कि बंगाल में मिली जीत कोई साधारण राजनीतिक जीत नहीं है। यह भारत की संस्कृति, भारत की विरासत, भारत की पहचान और एक तरह से भारत के अस्तित्व की लड़ाई थी। यह सिर्फ भाजपा की जीत नहीं है३ यह पूरे देश की जीत है। लोकतंत्र और मजबूत हुआ है। उन्होंने आगे कहा कि चुनाव परिणाम पश्चिम बंगाल में स्थिरता की ओर एक कदम और राज्य में राजनीतिक हिंसा के अंत का संकेत देते हैं। पिछली घटनाओं का जिक्र करते हुए रिजिजू ने कहा कि हर चुनाव में होने वाली राजनीतिक हिंसा३ लोगों को जिंदा जलाया जाना दृ भाजपा सरकार आने के बाद यह सब बंद हो जाएगा। जहां भी भाजपा आती है, राजनीतिक

हिंसा रुक जाती है। सुशासन इसमें एक बड़ा कारक है। रिजिजू ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व की भी प्रशंसा करते हुए कहा कि जब तक प्रधानमंत्री मोदी हैं, लोगों को अपने भविष्य के प्रति भरोसा है३ उनके जैसा नेता इस देश में कभी पैदा नहीं हुआ। यही कारण है कि उनके नाम पर एक के बाद एक राजनीतिक सफलताएँ हासिल हो रही हैं। पश्चिम बंगाल की 294 सदस्यीय विधानसभा में भाजपा ने 200 से अधिक सीटें जीतकर तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) और वामपंथी दलों के दशकों पुराने शासन का अंत कर दिया। इस परिणाम से टीएमसी को करारा झटका लगा, जिसमें मुख्यमंत्री ममता बनर्जी समेत कई वरिष्ठ मंत्री अपनी सीटें हार गए। लद्दाख में सांस्कृतिक और विकासात्मक प्रगति पर प्रकाश डालते हुए रिजिजू ने कहा कि भगवान बुद्ध के अवशेष लेह में रखे गए हैं३ हजारों लद्दाखी दर्शन कर रहे हैं।

यह एक सौभाग्यशाली क्षण है, और उन्होंने कुशोक बकुला रिनपोचे स्मृति व्याख्यान देने का उल्लेख किया। उन्होंने आगे कहा कि केंद्र शासित प्रदेश का दर्जा और नए जिलों के गठन से लद्दाख को एक विशिष्ट पहचान मिली है। भगवान बुद्ध के आशीर्वाद से विकास और भी गति पकड़ेगा, और इस तीव्र विकास का श्रेय उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व को दिया।

सीएम स्टालिन ने दिया इस्तीफा, मगर विजेता विजय का नाम तक नहीं लिया

चेन्नई। तमिलनाडु विधानसभा चुनाव परिणामों के बाद मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन का इस्तीफा राज्य का सबसे बड़ा राजनीतिक घटनाक्रम बन गया है। डीएमके नेता ने अपनी पार्टी को विजय की तमिलगा वेट्री कजगम से सत्ता में हार का सामना करने के बाद पद छोड़ दिया। लेकिन अपने इस्तीफे की घोषणा करते हुए भी स्टालिन ने एक बात स्पष्ट कर दीरू उन्होंने विजय या टीवीके का नाम लेने से इनकार कर दिया। पूरे चुनाव प्रचार के दौरान, अपने इस्तीफे के संदेश में और बाद में ग पर भी, स्टालिन ने विजयी पार्टी को केवल वह पार्टी कहकर संबोधित किया। इस चुप्पी ने पहले से ही महत्वपूर्ण नेतृत्व परिवर्तन में एक राजनीतिक रंग जोड़ दिया है, जिससे स्टालिन का इस्तीफा केवल चुनावी प्रतिक्रिया से कहीं

अधिक महत्वपूर्ण हो गया है। डीएमके की सीटें घटकर 59 रह जाने और टीवीके की 108 सीटों पर स्पष्ट जीत के बाद स्टालिन ने इस्तीफा दे दिया। हार के बावजूद, स्टालिन के संदेश में उन्हें हराने वाली पार्टी की बजाय डीएमके गठबंधन को मिले समर्थन पर जोर दिया गया। उन्होंने गठबंधन का समर्थन करने वाले 15.4 करोड़ मतदाताओं को धन्यवाद दिया और बताया कि विजयी पक्ष को केवल 17.43 लाख वोटों या 3.52: की बढ़त मिली थी। तमिलनाडु के राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ अर्लेकर ने मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन और उनके मंत्रिमंडल का इस्तीफा स्वीकार कर लिया है। लोक भवन ने मंगलवार को यह जानकारी दी। विधानसभा चुनाव में द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (द्रमुक) की हार के बाद स्टालिन ने मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दिया था। लोक भवन के बयान के अनुसार, राज्यपाल ने स्टालिन से अनुरोध किया है कि वह 'वैकल्पिक व्यवस्था होने तक' पद पर बने रहें। तमिलनाडु की 234 सदस्यीय विधानसभा के लिए 23 अप्रैल को हुए चुनाव में टीवीके 108 सीट जीतकर सबसे बड़ी पार्टी के रूप में उभरी है और द्रमुक 59 सीट पर सिमट गई है। अखिल भारतीय अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (अन्नाद्रमुक) को 47 सीट मिली हैं।

सबरीमाला केस में सुप्रीम कोर्ट की वाईआईएलए को फटकार

सुप्रीम कोर्ट ने यंग इंडियन लॉयर्स एसोसिएशन (वाईआईएलए) के वकील से पूछताछ की। कोर्ट ने 2006 में 10 से 15 वर्ष की महिलाओं के प्रवेश पर प्रतिबंध के खिलाफ जनहित याचिका दायर करने वाले मूल याचिकाकर्ता संगठन के अधिकार क्षेत्र पर सवाल उठाया। भारत के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली नौ न्यायाधीशों की पीठ ने युवा वकीलों के हितों पर केंद्रित एक संगठन से पूछा कि केरल के सबरीमाला स्थित भगवान अयप्पा मंदिर में महिलाओं (10 से 50 वर्ष की आयु) के प्रवेश पर प्रतिबंध को बरकरार रखने वाले केरल उच्च न्यायालय के फैसले की समीक्षा के लिए जनहित याचिका दायर करने का क्या आधार है। कोर्ट ने यह भी पूछा कि क्या संगठन ने औपचारिक रूप से जनहित याचिका दायर करने की अनुमति दी थी।

महिला आरक्षण पर आर–पार के मूड में कांग्रेस

अखिल भारतीय महिला कांग्रेस की अध्यक्ष अलका लांबा ने 5 मई को शिमला से एक राष्ट्रव्यापी अभियान शुरू किया, जिसमें उन्होंने नारी शक्ति वंदन अधिनियम, 2023 के पारित होने के बावजूद महिला आरक्षण कानून को लागू करने में विफल रहने के लिए भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार की आलोचना की। शिमला में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान, लांबा ने केंद्र सरकार पर जानबूझकर कानून लागू करने में देरी करके देश को गुमराह करने का आरोप लगाया। अलका लांबा ने कहा कि महिला आरक्षण कानून पारित हो चुका है, इसे राष्ट्रपति की मंजूरी मिल चुकी है और अधिसूचना भी जारी हो चुकी है। फिर भी भाजपा सरकार इसे लागू नहीं कर रही है। प्रधानमंत्री देश को क्यों गुमराह कर रहे हैं? लांबा ने आरोप लगाया कि भाजपा ऐतिहासिक रूप से महिला आरक्षण का विरोध करती रही है और उन्होंने इस कानून को पारित कराने में कांग्रेस की भूमिका पर प्रकाश डाला।

नशा मुक्त अभियान को धार, जम्मू – कश्मीर में एलजी मनोज सिन्हा ने संभाला मोर्चा, युवाओं ने ली शपथ

श्रीनगर। जम्मू और कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने मंगलवार को मध्य कश्मीर के बुडगाम जिले में चल रहे नशा मुक्त जम्मू और कश्मीर अभियान के तहत पदयात्रा का नेतृत्व किया। इस अभियान का उद्देश्य केंद्र शासित प्रदेश में मादक पदार्थों के दुरुपयोग पर अंकुश लगाना है। इस पदयात्रा में छात्रों, युवाओं, नागरिक समाज के सदस्यों और जिला प्रशासन के अधिकारियों ने भाग लिया, जो मादक पदार्थों के खतरे के खिलाफ सामूहिक प्रयास को दर्शाता है। सभा को संबोधित करते हुए उपराज्यपाल ने मादक पदार्थों के दुरुपयोग से निपटने में सामुदायिक नेतृत्व वाले प्रयासों के महत्व पर जोर दिया और युवाओं से नशीले पदार्थों के सेवन से दूर रहने का आग्रह किया। उन्होंने दोहराया कि प्रशासन मादक पदार्थों के तस्करों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने के लिए प्रतिबद्ध है, साथ ही जागरूकता अभियान और पुनर्वास पहलों पर भी ध्यान केंद्रित कर रहा है। अधिकारियों ने बताया कि कार्यक्रम का समापन प्रतिभागियों द्वारा नशामुक्त समाज के निर्माण की दिशा में काम करने की शपथ लेने के साथ

हुआ। यह पदयात्रा जम्मू–कश्मीर में मादक पदार्थों के दुरुपयोग के खिलाफ जन जागरूकता बढ़ाने के लिए प्रशासन द्वारा शुरू किए गए 100 दिवसीय गहन अभियान का हिस्सा है। इससे पहले, सोमवार को सिन्हा ने जम्मू–कश्मीर को नशामुक्त बनाने की वकालत करते हुए कहा कि जम्मू–कश्मीर में मादक पदार्थों की तस्करी करने वाले गिरोहों का दौर खत्म हो चुका है। उन्होंने कहा कि हमें हर नागरिक की भागीदारी सुनिश्चित करने का प्रयास करना चाहिए। हम सभी को मिलकर यह सुनिश्चित करना होगा कि जम्मू–कश्मीर पूरी तरह से नशामुक्त होकर पूरे देश के लिए एक उदाहरण बने। उपराज्यपाल द्वारा श्नशा मुक्त जम्मू कश्मीर अभियानश के अंतर्गत आयोजित एक विशाल पदयात्रा के शुभारंभ के अवसर पर ये टिप्पणियां की गईं। सभा में बोलते हुए सिन्हा ने आश्वासन दिया कि जम्मू और कश्मीर पुलिस, सुरक्षा एजेंसियां घ्छऔर प्रशासनिक तंत्र, आम जनता के सहयोग से, मादक पदार्थों के तस्करों के उन्मूलन के लिए काम कर रहे हैं। 11 अप्रैल, 2026 को प्रशासन ने तत्काल और मापने योग्य प्रभाव प्राप्त करने के लिए एक त्वरित 100 दिवसीय अभियान शुरू किया। मादक पदार्थों के विरुद्ध इस युद्ध की देखरेख उपराज्यपाल और पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) कर रहे हैं, जिसमें मादक पदार्थों की तस्करी और क्षेत्रीय सुरक्षा के बीच अंतर्संबंध को प्राथमिकता दी गई है।

5 राज्यों के चुनाव परिणामों पर फारूक अब्दुल्ला बोले, जनता का फैसला आपके सामने है

नेशनल कॉन्फ्रेंस के अध्यक्ष फारूक अब्दुल्ला ने मंगलवार को चार राज्यों और एक केंद्र शासित प्रदेश के चुनाव परिणामों पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि जनता का फैसला अंतिम है और उसका सम्मान किया जाना चाहिए। बुडगाम में मीडियाकर्मियों से बात करते हुए अब्दुल्ला ने कहा कि लोगों ने जो फैसला लिया है, वह आपके सामने है, मैं इसमें क्या कर सकता हूँ? नई सरकारें आ गई हैंय अल्लाह उन्हें जनता के भले के लिए काम करने की तौफीक दे। फारूक अब्दुल्ला ने आगे कहा कि यह देश सभी नागरिकों का है और समावेशी विकास की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि यह राष्ट्र हम सभी का है, इसकी देखभाल करें और सुनिश्चित करें कि सभी प्रगति करें। पश्चिम बंगाल, असम, तमिलनाडु, केरल और केंद्र शासित प्रदेश पुडुचेरी में विधानसभा चुनाव परिणामों ने मिश्रित राजनीतिक परिदृश्य प्रस्तुत किया है। पश्चिम बंगाल और असम में भाजपा का मजबूत प्रदर्शन रहा, जबकि अन्य क्षेत्रों में क्षेत्रीय और विपक्षी दलों ने जीत हासिल की, जो मतदाताओं की विविध चुनावी पसंद को दर्शाती है।

असम में कांग्रेस की करारी हार

गौरव गोगोई बोले– कप्तान होने के नाते मैं लेता हूं जिम्मेदारी

गुवाहाटी। 2026 के असम विधानसभा चुनावों में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस को करारी हार का सामना करना पड़ा, जिसके बाद भाजपा के नेतृत्व वाले NDA ने सत्ता बरकरार रखने के लिए मजबूत जनादेश प्राप्त किया। असम कांग्रेस अध्यक्ष गौरव गोगोई, जो स्वयं जोरहाट सीट से भाजपा के हितेंद्र नाथ गोस्वामी से बड़े अंतर से हार गए, ने मंगलवार को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित कर पार्टी की हार की जिम्मेदारी ली। गौरव गोगोई ने कहा कि मैं मल्लिकार्जुन खरगे,

सोनिया गांधी, राहुल गांधी, जितेंद्र सिंह और अन्य कांग्रेस नेताओं के प्रति आभार व्यक्त करता हूं। हमें उम्मीद के मुताबिक सीटें नहीं मिल पाईं। लेकिन हम विधानसभा के अंदर और बाहर असम के विकास के लिए अपने सुझाव देने का प्रयास करेंगे। हम हमेशा असम की आम जनता के साथ खड़े रहेंगे। गौरव गोगोई ने आगे कहा कि लोगों ने इस नतीजे को स्वीकार नहीं किया है। हमें लगा था कि मुकाबला कांटे का होगा। लेकिन कई सीटों पर आए नतीजे उम्मीद के मुताबिक नहीं हैं। शनिवार (9 मई) को हम पार्टी के सभी नवनिर्वाचित विधायकों को फोन करेंगे। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि कप्तान होने के नाते, मैं इस हार की जिम्मेदारी लेता हूं। उन्होंने कहा कि राज्य कांग्रेस अध्यक्ष के रूप में, मैं इसके लिए पूरी नैतिक जिम्मेदारी लेता हूं। कांग्रेस नेता ने कहा कि मैं भाजपा और उसके नेतृत्व को हार्दिक शुभकामनाएं देता हूं। मुझे उम्मीद है कि सरकार जनता से जुड़े विभिन्न मुद्दों को हल करने के लिए काम करेगी। भाजपा सरकार ने अपेक्षित कार्य नहीं किया, और कृत्रिम बाढ़ इसका एक उदाहरण है।

हम हारे नहीं, जबरदस्ती हराया गया, ममता ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में ईसी को बताया मुख्य विलेन

कहा– इंडिया गठबंधन के सदस्य एक साथ

पश्चिम बंगाल चुनाव में अपनी पार्टी की हार के बाद टीएमसी

सुप्रीमो ममता बनर्जी ने धांधली का आरोप लगाते हुए कहा है कि भाजपा ने चुनाव आयोग की मदद से चुनाव में हेराफेरी की है। पश्चिम बंगाल की कार्यवाहक मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने हाल ही में हुए विधानसभा चुनावों में भाजपा की शानदार जीत के बाद उस पर चुनाव आयोग के साथ मिलीभगत का आरोप लगाया है। ममता बनर्जी ने कहा कि एसआईआर के बहाने बेईमानी की गई। इंडिया गठबंधन मजबूती से चलेगा। ममता बनर्जी ने 2026 के पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनावों में अपनी पार्टी की भारी हार के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और चुनाव आयोग (ईसी) पर हमला करते हुए कहा, ष्हमारी लड़ाई भाजपा से नहीं, बल्कि चुनाव आयोग से थी।

भाजपा कार्यकर्ताओं ने टीएमसी नेता के कार्यालय में तोड़फोड़ की

इंडिया टुडे की रिपोर्ट के अनुसार दक्षिण 24 परगना के फाल्टा में तृणमूल कांग्रेस नेता जहांगीर खान के पार्टी कार्यालय में तोड़फोड़ की गई है। आक्रोशित भाजपा कार्यकर्ताओं और समर्थकों ने कथित तौर पर कार्यालय में तोड़फोड़ की और वहां भाजपा के झंडे फहराए। मंगलवार को हुई इस घटना से इलाके में तनाव फैल गया।

आदर्श लघु माध्यमिक विद्यालय बर्डपुर में शिल्प प्रदर्शन सह जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन

दैनिक बुद्ध का संदेश

बर्डपुर। आदर्श लघु माध्यमिक विद्यालय में शिल्प प्रदर्शन सह जागरूकता कार्यक्रम वस्त्र मंत्रालय, भारत सरकार हस्तशिल्प सेवा केंद्र, वाराणसी द्वारा तीन दिवसीय शिल्प प्रदर्शन सह जागरूकता कार्यक्रम मंगलवार को शुरू हुआ ।आयोजन का उद्देश्य विद्यालय के छात्रों को भारतीय पारंपरिक शिल्पों से परिचित कराना, उनकी ऐतिहासिक और सांस्कृतिक महत्ता बताना तथा बच्चों में कला के प्रति रुचि उत्पन्न करना है। कार्यक्रम में छात्रों को विभिन्न शिल्प कलाओं का प्रत्यक्ष प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा, ताकि वे इन कलाओं की तकनीक, उपयोग और सौंदर्य को करीब से समझ सकें। प्रशिक्षण देने के लिए वाराणसी से तीन और एक गोरखपुर से विशेषज्ञ शिल्प प्रशिक्षक विद्यालय पहुंचे हैं ।इनमें गोरखपुर से हस्त शिल्प की विशेषज्ञ हरिओम आजाद, बस्ती से हाथ से निर्मित ज्वेलरी शिल्पी प्रहलाद शामिल हैं ।जिसमें वाराणसी से कालीन प्रशिक्षण अधिकारी धनजीत कुमार, अंबेडकर संस्थान के निर्देशक संजय कुमार पाण्डेय प्रशिक्षकों ने बताया कि इस प्रकार के आयोजन बच्चों में रचनात्मकता बढ़ाने में सहायक होते हैं और उन्हें भारतीय कला की विविधता से जोड़ते हैं। कार्यक्रम का उद्घाटन सदर विधायक श्यामधनी राही ने किया। प्रबंधक राजकुमारी पाण्डेय ने अपने संबोधन में कहा कि भारतीय शिल्प कला सदियों पुरानी धरोहर है और विद्यालय में इस तरह के कार्यक्रमों से बच्चों को अपनी सांस्कृतिक विरासत को समझने और संजोने का अवसर मिलता है। कार्यक्रम में पहले ही दिन छात्रों में भारी उत्साह देखा गया। बच्चे अलग–अलग शिल्प विधाओं को सीखने के साथ–साथ उनके पीछे की पारंपरिक कहानियों और तकनीकों को भी जान रहे हैं। तीन दिनों तक जारी रहने वाले इस आयोजन में लाइव डेमो, प्रैक्टिकल गतिविधियाँ और शिल्प प्रदर्शनी भी शामिल है। इस दौरान विद्यालय के संचालक/सभासद नितेश पाण्डेय, समाजसेवी संजय कुमार पाण्डेय, प्रधान प्रतिनिधि बर्डपुर न०5 विजय चौरसिया, भाजपा नेता फूलचंद्र जायसवाल, गणेश जायसवाल, पूर्व प्रधान श्यामप्रकाश जायसवाल, रामनिवास विश्वकर्मा, धर्मपाल, रामपाल, जयराम , विनय कुमार, राकेश कुमार , शिवम मिश्रा, अरुण जायसवाल राजेंद्र विश्वकर्मा अजय प्रजापति विनोद प्रजापति, उर्मिला, पूनम सहित विद्यालय के शिक्षकगण, छात्र–छात्राएं, अभिभावकगण एवं क्षेत्रीय नागरिक बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

बंगाल समेत तीन राज्यों में जीत पर भाजपा कार्यकर्ताओं ने मनाया जश्न

दैनिक बुद्ध का संदेश

शोहरतगढ़/सिद्धार्थनगर। पश्चिम बंगाल सहित असम व पांडुचेरी में मिली जीत की खुशी में पूरे देश के साथ शोहरतगढ़ में भी जश्न का माहौल देखने को मिला। नगर पंचायत सभागार में चेयरमैन प्रतिनिधि रवि अग्रवाल के नेतृत्व में भाजपा कार्यकर्ताओं ने एक–दूसरे को मिठाई खिलाकर खुशी जाहिर की। इसी क्रम में गड़ाकुल तिराहे पर सभासद प्रतिनिधि व पूर्व ग्राम प्रधान राजकुमार मोदनवाल की अगुवाई में भी कार्यकर्ताओं ने जीत का जश्न मनाया और एक–दूसरे को मिठाई खिलाकर बधाई दी। इस मौके पर वक्ताओं ने कहा कि पश्चिम बंगाल की जीत यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में विकास, विश्वास और मजबूत निर्णय क्षमता की जीत है। उनके नेतृत्व में देश लगातार प्रगति के पथ पर आगे बढ़ रहा है और सनातन संस्कृति का ध्वज और अधिक ऊंचाइयों पर लहरा रहा है। साथ ही कार्यकर्ताओं ने असम व पांडुचेरी में मिली सफलता पर भी एक–दूसरे को बधाई दी। कार्यक्रम के दौरान चेयरमैन प्रतिनिधि रवि अग्रवाल, सांसद प्रभारी सूर्य प्रकाश पांडेय, मंदिर कमेटी अध्यक्ष नंदू गौड़, भाजपा जिला मीडिया प्रभारी रमेश मणि त्रिपाठी, अनूप त्रिपाठी, मण्डल अध्यक्ष शिवशक्ति शर्मा, प्रमोद श्रीवास्तव, राहुल पुरी सहित सैकड़ों कार्यकर्ता मौजूद रहे।

साइबर अपराध से बचाव व गुड टच–बैड टच पर जागरूक हुईं महिलाएं व बालिकाएं

दैनिक बुद्ध का संदेश

शोहरतगढ़/सिद्धार्थनगर। जिले में महिलाओं की सुरक्षा और जागरूकता को लेकर चलाए जा रहे मिशन शक्ति फेज 5.0 के द्वितीय चरण के तहत थाना शोहरतगढ़ पुलिस टीम ने ग्राम अगया में विशेष जागरूकता अभियान चलाया। इस दौरान महिलाओं और बालिकाओं को साइबर अपराध से बचाव, एंटी रोमियो अभियान, गुड टच–बैड टच सहित विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर जानकारी दी गई। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ. अभिषेक महाजन के निर्देशन में चलाए जा रहे इस अभियान के क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक प्रशांत कुमार प्रसाद व क्षेत्राधिकारी शोहरतगढ़ मयंक द्विवेदी के पर्यवेक्षण में कार्यक्रम आयोजित किया गया। प्रभारी निरीक्षक नवीन कुमार सिंह के नेतृत्व में मिशन शक्ति टीम ने ग्रामीण महिलाओं और बच्चियों को आत्मरक्षा एवं जागरूकता से जुड़े पहलुओं पर विस्तार से जानकारी दी। कार्यक्रम के दौरान पुलिस टीम ने बताया कि प्रदेश सरकार द्वारा सभी थानों पर स्थापित मिशन शक्ति केंद्र महिलाओं की समस्याओं के समाधान के लिए कार्यरत हैं, जहां वे अपनी शिकायत दर्ज करा सकती हैं। इसके साथ ही विभिन्न हेल्पलाइन नंबरों की जानकारी भी दी गई, जिनमें 1090 (वुमेन पावर लाइन), 181 (महिला हेल्पलाइन), 1076 (मुख्यमंत्री हेल्पलाइन), 112 (पुलिस), 1098 (चाइल्ड हेल्पलाइन), 108 (एम्बुलेंस), 101 (फायर सर्विस), 14567 (एल्डर हेल्पलाइन) और 1930 (साइबर हेल्पलाइन) शामिल हैं। पुलिस टीम ने बालिकाओं को विशेष रूप से जागरूक करते हुए कहा कि किसी भी प्रकार की संदिग्ध गतिविधि या अपराध की स्थिति में तुरंत सहायता लें और चुप न रहें। इस दौरान उपनिरीक्षक राजकुमार यादव, हेड कांस्टेबल अविनाश सिंह, कांस्टेबल पवन कुमार, महिला कांस्टेबल अम्बिका, सीमा यादव एवं विमला मौर्या मौजूद रहे।

बांसी में पेयजल व्यवस्था ध्वस्त, भ्रष्टाचार के आरोप, लोग शुद्ध पानी को तरसे

दैनिक बुद्ध का संदेश

बांसी/सिद्धार्थनगर। आदर्श नगर पालिका परिषद बांसी में पेयजल व्यवस्था पूरी तरह चरमराई हुई है। हालात यह हैं कि लाखों रुपये खर्च होने के बावजूद नगरवासियों को आज भी शुद्ध पानी नसीब नहीं हो पा रहा है। स्थानीय लोगों ने पेयजल व्यवस्था में अनियमितता और भ्रष्टाचार के आरोप लगाए हैं। जानकारी के अनुसार वर्ष 1999–2000 में प्रतापनगर वार्ड में करीब 89.20 लाख रुपये की लागत से 550 किलोलीटर क्षमता का ओवरहेड टैंक बनाया गया था। इसके साथ ही प्रतापनगर और पटेलनगर में दो पंप हाउस भी बनाए गए थे। योजना के तहत प्रतापनगर, पटेलनगर और इंदिरानगर वार्ड में जलापूर्ति होनी थी, लेकिन मुख्य पाइपलाइन क्षतिग्रस्त होने और विस्तार न होने के कारण आज तक व्यवस्था सुचारु नहीं हो सकी। वहीं बांसी ब्लॉक के पास स्थित एकमात्र पंप हाउस से पंतनगर, आर्यनगर, राप्तीनगर, अकबरनगर, शंकरनगर, टेकधरनगर, राजेंद्रनगर, गौतमबुद्धनगर और आंशिक अशोकनगर सहित कई वार्डों में पानी की सप्लाई की जा रही है। लेकिन दूरी अधिक होने के कारण सभी इलाकों में पर्याप्त पानी नहीं पहुंच पा रहा है। स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि नगर के बीच–बीच में तीन से चार अतिरिक्त पंप हाउस स्थापित कर दिए जाएं तो समस्या काफी हद तक हल हो सकती है। हालांकि, नगर पालिका अब तक इसके लिए उपयुक्त जमीन तक नहीं तलाश सकी है। इसके अलावा उपनगर नरकटहा में वर्ष 1975 के आसपास 175 किलोलीटर क्षमता का ओवरहेड टैंक बनाया गया था, लेकिन वहां भी जलापूर्ति व्यवस्था संतोषजनक नहीं है। पेयजल संकट से जूझ रहे नगरवासियों ने प्रशासन से जल्द ठोस कदम उठाने की मांग की है, ताकि उन्हें शुद्ध पेयजल उपलब्ध हो सके।

पश्चिम बंगाल में भाजपा की जीत किसी चमत्कार से कम नहीं : सुषमा मिश्रा

दैनिक बुद्ध का संदेश

खेसरहा। भाजपा महिला मोर्चा की नेता सुषमा मिश्रा ने कहा कि पश्चिम बंगाल में भारतीय जनता पार्टी की जीत किसी चमत्कार से कम नहीं है। उन्होंने कहा कि जहां एक ओर ममता बनर्जी और तृणमूल कांग्रेस (ज्डब्) का मजबूत जनाधार लंबे समय से कायम रहा है, वहीं लेफ्ट फ्रंट ने भी दशकों तक राज्य की राजनीति पर अपना दबदबा बनाए रखा। सुषमा मिश्रा ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी को लंबे समय तक बंगाल में बाहरी पार्टी माना जाता रहा, लेकिन इसके बावजूद पार्टी का तेजी से उभरना और पारंपरिक राजनीतिक समीकरणों को बदलते हुए सत्ता तक पहुँचना एक असाधारण घटना है। उन्होंने आगे कहा कि बंगाल में मुस्लिम समुदाय एक बड़ा और संगठित वोट बैंक रहा है, जो ऐतिहासिक रूप से भाजपा के विरोध में रहा और ज्यादातर तृणमूल कांग्रेस के साथ जुड़ा रहा है, जबकि कुछ क्षेत्रों में कांग्रेस और वाम दलों को भी समर्थन मिलता रहा है। इन सभी परिस्थितियों के बावजूद भाजपा का सत्ता तक पहुँचना भारतीय राजनीति में एक बड़ा और दिलचस्प बदलाव माना जा रहा है।

चयनित अभ्यर्थियों के अभिलेखों का सत्यापन कल

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। जनपद में सहायताप्राप्त जूनियर हाई स्कूलों में वर्ष 2021 में शुरू की गई शिक्षकों की भर्ती प्रक्रिया में उत्तीर्ण अभ्यर्थियों के अभिलेखों का सत्यापन गुरुवार को बीएसए कार्यालय में होगा। यह जानकारी बेसिक शिक्षा अधिकारी शैलेश कुमार ने मंगलवार को जारी विज्ञप्ति में दिया। बीएसए ने बताया कि सहायता प्राप्त जूनियर हाई स्कूलों में नियुक्ति के लिए पात्र छह अभ्यर्थियों की अंतिम चयन सूची कार्यालय को प्राप्त हो चुकी है। चयनित अभ्यर्थियों को अपने सभी शैक्षिक एवं प्रशिक्षण संबंधी अभिलेखों के सत्यापन हेतु गुरुवार को पूर्वाह्न 11 बजे बीएसए कार्यालय में उपस्थित होना अनिवार्य है। अभ्यर्थियों को आवेदन पत्र में अंकित दस्तावेजों की स्वयं प्रमाणित प्रतियों के साथ मूल अभिलेख भी प्रस्तुत करने होंगे। बताया कि दस्तावेजों के सत्यापन के उपरांत पात्र अभ्यर्थियों की नियुक्ति संबंधी अंतिम प्रक्रिया पूरी कर संबंधित विद्यालय प्रबंधन को अग्रेषित कर दी जाएगी। बीएसए ने सभी चयनित अभ्यर्थियों से समय पर उपस्थित होकर प्रक्रिया पूर्ण कराने की अपील की है।

खेसरहा पुलिस की बड़ी कार्रवाई, शांति भंग की आशंका में 10 गिरफ्तार

दैनिक बुद्ध का संदेश

खेसरहा/सिद्धार्थनगर। जनपद के खेसरहा थाना क्षेत्र में पुलिस ने शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए बड़ी कार्रवाई करते हुए 10 लोगों को गिरफ्तार कर न्यायालय भेज दिया। यह कार्रवाई वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देश पर चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत की गई। पुलिस के अनुसार, अपर पुलिस अधीक्षक के निर्देशन और क्षेत्राधिकारी बांसी के पर्यवेक्षण में थानाध्यक्ष अनूप कुमार मिश्र के नेतृत्व में टीम ने संभावित शांति भंग की आशंका के आधार पर यह कार्रवाई की। सभी आरोपियों को भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (ठछै) की धारा 170/126/135 के तहत हिरासत में लिया गया। गिरफ्तार किए गए अभियुक्तों में उदय राज, अनुज साहनी, हनू साहनी, पवन शर्मा, निखिल शर्मा, पवन गुप्ता (ग्राम तेलौरा, थाना बांसी), रंगीलाल, आरती, चंदन (ग्राम बेलउख, थाना खेसरहा) तथा उस्मान (नासिरगंज, थाना खेसरहा) शामिल हैं। पुलिस ने बताया कि यह कदम क्षेत्र में कानून–व्यवस्था बनाए रखने और किसी भी प्रकार की अशांति को रोकने के उद्देश्य से उठाया गया है। सभी अभियुक्तों को विधिक प्रक्रिया के तहत न्यायालय में पेश कर दिया गया। कार्रवाई में उपनिरीक्षक जयप्रकाश सिंह, उपनिरीक्षक उपेन्द्र राव, उपनिरीक्षक बीरेन्द्र सिंह, उपनिरीक्षक राजेश्वर प्रसाद तथा महिला कांस्टेबल रम्भा यादव की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

बायोफोर्टिफाइड धान से मिलेगा ज्यादा पोषण, कुपोषण में होगी कमी – डॉ. सर्वजीत

दैनिक बुद्ध का संदेश

भनवापुर/सिद्धार्थनगर। कृषि विज्ञान केंद्र सोहना के वैज्ञानिक डॉ. सर्वजीत ने किसानों से कहा है कि वे बायोफोर्टिफाइड धान की खेती अपनाएं। यह धान ज्यादा पैदावार देने के साथ–साथ लोगों के स्वास्थ्य के लिए भी फायदेमंद है। उन्होंने बताया कि इस धान में आयरन और जिंक जैसे जरूरी पोषक तत्व ज्यादा मात्रा में होते हैं। इसे खाने से शरीर में खून की कमी (एनीमिया) दूर होती है और कुपोषण की समस्या भी कम होती है। डॉ. सर्वजीत ने बताया कि इन धान की किस्मों को विकसित करने के लिए भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (ष्ब्।त्) और कई कृषि विश्वविद्यालय लगातार काम कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि ब्त् वींद 310, 311 और 315 लगभग 125 से 130 दिन में तैयार हो जाती हैं और इनकी पैदावार 45 से 50 कुंतल प्रति हेक्टेयर तक होती है। वहीं क्त्त वींद 45, 48 और 49 130 से 135 दिन में पकती हैं और इनकी पैदावार 48 से 52 कुंतल प्रति हेक्टेयर तक मिलती है। इन किस्मों में जिंक की मात्रा 22 से 25 च्च्ड तक होती है, जबकि सामान्य धान में यह 12 से 16 च्च्ड ही होती है। जिंक शरीर की रोगों से लड़ने की क्षमता बढ़ाता है। इसके अलावा ष्पदबव त्पबम ड किस्म में जिंक लगभग 27.4 च्च्ड तक पाया जाता है, जो इसे और ज्यादा पोषणयुक्त बनाता है। अंत में डॉ. सर्वजीत ने किसानों से अपील की कि वे पारंपरिक धान के साथ–साथ बायोफोर्टिफाइड धान भी उगाएं, ताकि ज्यादा उत्पादन के साथ लोगों को पोषक भोजन मिल सके।

यूपी बोर्डः स्क्रूटनी के लिए 17 मई तक कर सकते हैं आवेदन, प्रति विषय 500 रुपये शुल्क

सिद्धार्थनगर ।माध्यमिक शिक्षा परिषद उत्तर प्रदेश (यूपी बोर्ड) ने वर्ष 2026 की हाईस्कूल और इंटरमीडिएट परीक्षा के परिणाम जारी होने के बाद अब स्क्रूटनी (पुनर्मूल्यांकन) के लिए आवेदन प्रक्रिया शुरू कर दी है। छात्र–छात्राएं 17 मई तक ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं ।आवेदन प्रक्रिया पूरी तरह ऑनलाइन होगी। अभ्यर्थियों को परिषद की आधिकारिक वेबसाइट पर जाकर निर्धारित दिशा–निर्देशों के अनुसार आवेदन करना होगा। आवेदन करने के बाद उसका प्रिंटआउट निकालकर शुल्क की रसीद के साथ संबंधित क्षेत्रीय कार्यालय में जमा करना अनिवार्य है ।बोर्ड ने स्पष्ट किया है कि ऑफलाइन आवेदन स्वीकार नहीं किए जाएंगे। केवल ऑनलाइन आवेदन ही मान्य होंगे। साथ ही निर्धारित शुल्क दिव्यांग अभ्यर्थियों के लिए निःशुल्क रखा गया है ।अधिकारियों ने बताया कि 17 मई के बाद प्राप्त किसी भी आवेदन पर विचार नहीं किया जाएगा। इसलिए सभी अभ्यर्थियों को समय सीमा के भीतर ही आवेदन प्रक्रिया पूरी करने की सलाह दी गई है, ताकि किसी प्रकार की असुविधा से बचा जा सके।

> स्क्रूटनी के लिए प्रति विषय 500 रुपये शुल्क निर्धारित किया गया है। हाईस्कूल और इंटरमीडिएट दोनों परीक्षाओं के लिए यह शुल्क अलग–अलग विषयों के अनुसार देना होगा।
> &ftyk fo|ky; fujh{kd v#.k dqekj

सगीर हत्याकांड का खुलासा, 4 आरोपी गिरफ्तार,परिजनों का चक्का जाम

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। मोहाना थाना क्षेत्र में 14 वर्षीय किशोर सगीर की हत्या का पुलिस ने 24 घंटे के भीतर खुलासा कर दिया। इस मामले में पुलिस ने 4 आरोपियों को गिरफ्तार किया है, जिनमें 3 नाबालिग शामिल हैं। पूछताछ में सभी आरोपियों ने अपना जुर्म कबूल कर लिया है ।पुलिस के अनुसार गिरफ्तार आरोपियों को न्यायालय में पेश किया गया, जहां से एक बालिग आरोपी को जेल भेज दिया गया, जबकि तीन नाबालिगों को सुधार गृह भेजा गया है ।बताया जाता है कि मृतक सगीर पुत्र कलीमुल्ला का शव रविवार को शिवपतिनगर गांव के टोला मोहाना बाजार में उसके घर से करीब 50 मीटर दूर संदिग्ध हालात में मिला था। शव पर सिर, नाक और मुंह पर गंभीर चोटों के निशान पाए गए, जिसके बाद परिजनों ने हत्या की आशंका जताई थी। घटना के बाद गांव में तनाव फैल गया था ।पुलिस जांच में सामने आया कि सगीर और आरोपियों के बीच एक आर्केस्ट्रा कार्यक्रम के दौरान विवाद हुआ था। कार्यक्रम से लौटते समय रास्ते में दोबारा कहासुनी हुई, जिसके बाद चारों ने मिलकर उस पर हमला कर दिया, जिससे उसकी मौत हो गई ।घटना से नाराज परिजनों और ग्रामीणों ने सोमवार शाम करीब 6.30 बजे मोहाना चौराहा–लोटन मार्ग पर चक्का जाम कर दिया। उनका आरोप था कि केवल आरोपियों ही नहीं, बल्कि उनके परिजनों पर भी साजिश के तहत मुकदमा दर्ज किया जाए ।करीब आधे घंटे तक चले जाम के कारण यातायात प्रभावित रहा। सूचना पर पहुंचे प्रशासनिक अधिकारियों ने लोगों को समझाकर जाम खत्म कराया, जिसके बाद आवागमन सामान्य हो सका। पुलिस का कहना है कि मामले में विधिक कार्रवाई जारी है और अन्य पहलुओं की भी जांच की जा रही है।

लंबे इंतजार के बाद शिक्षामित्रों को तोहफा ? मानदेय बढ़कर 18 हजार–सांसद जगदम्बिका पाल

दैनिक बुद्ध का संदेश

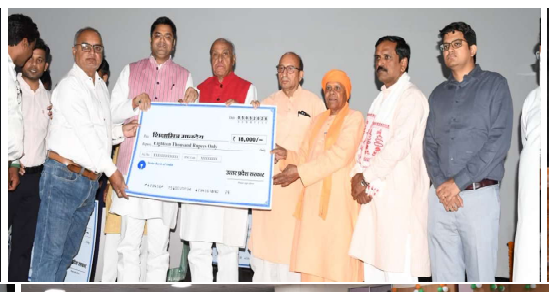

सिद्धार्थनगर 05 मई 2026/मा0 मुख्यमंत्री उ0प्र0 योगी आदित्यनाथ द्वारा गोरखपुर से शिक्षामित्रों का सम्मान एवं बढ़े हुये मानदेय का वितरण कार्यक्रम का लाइव प्रसारण कार्यक्रम मा0 सांसद डुमरियागंज जगदम्बिका पाल, मा0 विधायक बांसी जय प्रताप सिंह, विधायक कपिलवस्तु श्यामधनी राही, विधायक शोहरतगढ़ विनय वर्मा, जिलाध्यक्ष भाजपा दीपक मौर्या, जिलाधिकारी श्री शिवशरणप्पा जी0एन0, मुख्य विकास अधिकारी बलराम सिंह की उपस्थिति में लोहिया कला भवन में देखा गया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री उ0प्र0 योगी आदित्यनाथ ने शिक्षामित्रों को सम्बोधित करते हुये कहा कि आप लोगों को पहले की सरकार द्वारा 3500 मानदेय दिया जा रहा था जिसको बढ़ाकर 10000 किया गया। शिक्षामित्र कड़ी मेहनत कर बच्चों को शिक्षा प्रदान किया जा रहा है। उनकी समस्याओं को देखते हुये मानदेय में वृद्धि करने का निर्णय लिया गया। शिक्षामित्रों के मानदेय में 8000 की वृद्धि करते हुये उनको 18000 का सम्मानजनक मानदेय 01 अप्रैल से दिये जाने की व्यवस्था की गयी है। महिला शिक्षामित्रों को उनके नजदीकी विद्यालयों में तैनाती हो उसके लिए सरकार कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि शिक्षको के अन्दर सकारात्मक सोच होना चाहिए और समाज के लिए कार्य करना चाहिए। अभिभावक आपके विश्वास पर बच्चों को स्कूल भेजते हैं आप उनको गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, डिजिटल व तकनीकि आधारित शिक्षा प्रदान कर उनके भविष्य को निखारने का कार्य करें। प्रधानमंत्री के नेतृत्व में देश शिक्षा के क्षेत्र में नया कीर्तिमान स्थापित कर रहा है। गत 09 वर्षो में बेसिक शिक्षा विभाग के विद्यालयों में शिक्षा में काफी परिवर्तन आया है। स्कूल चलो अभियान के माध्यम से ड्राप आउट बच्चों का नामांकन कराकर उनको शिक्षा मुहैया कराया जा रहा है अब इसे शून्य तक ले जाना है। प्रदेश सरकार द्वारा 1 करोड़ 60 लाख बच्चों को 02 ड्रेस, किताब, जूता–मोजा, बैग आदि उपलब्ध कराया जा रहा है जिससे अभिभावकों के ऊपर आर्थिक बोझ न पड़े। सभी शिक्षको एवं अभिभावकों को इस राष्ट्रीय कार्यक्रम में सहयोग करना चाहिए। बेसिक शिक्षा विभाग के स्कूलों को कायाकल्प के माध्यम से सुदृढ़ीकरण कर स्मार्ट क्लास, फर्नीचर, पेयजल, शौचालय आदि की व्यवस्था से लैस किया गया है। जिन विकास खण्डों में कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय नहीं हैं वहां पर आवासीय विद्यालय की व्यवस्था की जायेगी। प्रदेश के 143000 शिक्षामित्रों को बढ़े हुये मानदेय का लाभ प्राप्त हो रहा है। सभी शिक्षामित्रों को बधाई एवं शुभकामनायें देते हुये कहा कि सभी लोग समय से विद्यालय में उपस्थित होकर अपनी जिम्मेदारियों का निष्ठापूर्वक निर्वहन करते हुये बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करें। जनपद स्तर पर आयोजित कार्यक्रम का सांसद डुमरियागंज जगदम्बिका पाल, मा0 विधायक बांसी जयप्रताप सिंह, मा0 विधायक कपिलवस्तु श्यामधनी राही, विधायक शोहरतगढ़ विनय वर्मा, जिलाध्यक्ष भाजपा दीपक मौर्या, जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जी0एन0, मुख्य विकास अधिकारी बलराम सिंह द्वारा मा0 सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्ज्वलन कर कार्यक्रम का शुभारम्भ किया गया। जिलाधिकारी द्वारा जनप्रतिनिधिगणों को बुकें एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर स्वागत किया गया। बेसिक शिक्षा विभाग के बच्चों द्वारा सरस्वती वंदना एवं स्वागत गीत की प्रस्तुति की गयी। सांसद डुमरियागंज जगदम्बिका पाल ने कहा कि मुख्यमंत्री द्वारा शिक्षमित्रों की समस्याओं को देखते हुये उनके मानदेय में वृद्धि की घोषणा की गयी थी जो 01 अप्रैल से लागू किया गया है। शिक्षको के अन्दर सकारात्मक सोच होना चाहिए। बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करें। आप सभी शिक्षा के मित्र है। आप लोग मित्र की तरह शिक्षा को आगे बढ़ाये। स्कूल चलो अभियान के माध्यम से बच्चों के नामांकन में सहयोग करें। कोई भी बच्चा शिक्षा से वंचित रहे न होने पाये। स्कूलों का कायाकल्प के माध्यम से सुदृढ़ीकरण कर स्मार्ट क्लास, फर्नीचर पेयजल व्यवस्था एवं बच्चों को निःशुल्क पाठ्य पुस्तके दी जा रही है। जनपद में कई विद्यालय ऐसे है जो केवल शिक्षामित्रों के सहारे चल रहा है। विधायक बांसी जय प्रताप सिंह ने कहा कि शिक्षामित्रों की नियुक्ति ग्रामीण क्षेत्रों के विद्यालयों में बच्चों को बेहतर शिक्षा प्रदान करने के लिए कियष गया था। पहले मानदेय बहुत कम था। आज मानदेय में वृद्धि की गयी जिसे बढ़ाकर 18000 किया गया है। सभी शिक्षामित्र बच्चों को समय से विद्यालय में उपस्थित होकर बेहतर शिक्षा प्रदान करें। बच्चों को निखारने की जिम्मेदारी आपके ऊपर है। शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए निरन्तर कार्य कर रहे है। शिक्षको की जो भी समस्यायें उनका निराकरण कराने का प्रयास कर रहे है। विधायक कपिलवस्तु श्यामधनी राही ने कहा कि स्कूलों में शिक्षा को बेहतर करने के लिए शिक्षा मित्रों का चयन सहायक के रूप में किया गया था। मुख्यमंत्री द्वारा मानदेय में वृद्धि कर 18000 किया गया है। शिक्षामित्रों की समस्याओं को देखते हुए उनके मानदेय में वृद्धि किया गया है। शिक्षा मित्र पूरे मनोयोग से बच्चों को शिक्षा प्रदान करें। विधायक शोहरतगढ़ विनय वर्मा ने कहा कि मुख्यमंत्री बहुत ही सरायहनीय कार्य करते हुए शिक्षामित्रों के मानदेय में वृद्धि किया है। सभी लोग बच्चों को बेहतर शिक्षा प्रदान करें। विद्यालयों में बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा देने के लिए स्मार्ट क्लास संचाजित किया जा रहा है। शिक्षा की गुणवत्ता में बहुत ही सुधार हुआ है। जिलाध्यक्ष भाजपा दीपक मौर्या ने कहा कि मुख्यमंत्री समाज का विकास चाहते है। शिक्षक बच्चों को शिक्षित कर समाज को विकसित बनाने का कार्य करे। बच्चें देश के विकास की कड़ी है। बच्चें देश का भविष्य है। जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन ने कहा कि आज शिक्षा मित्रों का मानदेय बढ़ाकर 18000 किया गया है। कायाकल्प के माध्यम से विद्यालय में बहुत से कार्य हुए है। बच्चों को पाठ्य पुस्तक, मिड–डे मील दिया जा रहा है। शिक्षक ए0आई0 तकनीक के बारे में जानकारी दे। बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा दे। शिक्षक समय से विद्यालय में उपस्थित हो। जिलाधिकारी ने सभी को बधाई दिया। सांसद डुमरियागंज जगदम्बिका पाल, मा0 विधायक बांसी जयप्रताप सिंह, विधायक कपिलवस्तु श्यामधनी राही, विधायक शोहरतगढ़ विनय वर्मा, जिलाध्यक्ष भाजपा दीपक मौर्या, जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जी0एन0, मुख्य विकास अधिकारी बलराम सिंह द्वारा 10 शिक्षामित्रों को बढ़े हुए मानदेय का प्रतीकात्मक चेक दिया गया। इस अवसर पर उपरोक्त के मा0 सांसद डुमरियागंज प्रतिनिधि एस0पी0 अग्रवाल, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी शैलेष कुमार, समस्त खण्ड शिक्षा अधिकारी, शिक्षामित्र आदि उपस्थित थे।

खेल को मौलिक अधिकार बनाने की मांग, क्रीड़ा भारती का राष्ट्रीय प्रस्ताव पारित

दैनिक बुद्ध का संदेश

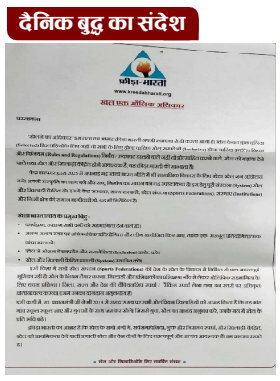

प्रयागराज/गोरक्ष प्रांत। खेल एवं खिलाड़ियों के समर्पित अखिल भारतीय संगठन क्रीड़ा भारती ने "खेल एक मौलिक अधिकार" विषय पर राष्ट्रीय स्तर पर महत्वपूर्ण प्रस्ताव पारित किया है। संगठन ने इस प्रस्ताव को देशभर के खिलाड़ियों, खेल प्रेमियों एवं आम जनमानस तक पहुंचाने के लिए सभी पदाधिकारियों को जिम्मेदारी सौंपी है। क्रीड़ा भारती की प्रस्तावना में "खेलने का अधिकार" को मूल तत्व के रूप में प्रस्तुत किया गया है, जिस पर संगठन अपनी स्थापना काल से ही जोर देता आया है। गोरक्ष प्रांत के प्रांत अध्यक्ष अरुण कुमार प्रजापति ने कहा कि खेल केवल चुनिंदा खिलाड़ियों तक सीमित नहीं होना चाहिए, बल्कि समाज के हर वर्ग तक इसकी पहुंच होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि खेल समावेशी हो तथा इसके नियम और विनियम खिलाड़ी–केंद्रित, प्रोत्साहन देने वाले और खेल को बढ़ावा देने वाले हों। उन्होंने बताया कि केंद्र सरकार द्वारा वर्ष 2025 में अपनाई गई "खेलो भारत नीति" में भी खेल को सामाजिक विकास, सांस्कृतिक जुड़ाव और राष्ट्र निर्माण का सशक्त माध्यम माना गया है। नीति में खेलों को जन आंदोलन बनाने और केंद्र व राज्य सरकारों, खेल संगठनों तथा निजी क्षेत्र की समान भागीदारी सुनिश्चित करने पर बल दिया गया है।

प्रस्ताव के प्रमुख बिंदुकृ क्रीड़ा भारती ने अपने प्रस्ताव में खेल को मौलिक अधिकार का दर्जा देने की मांग की है। इसके तहत प्रत्येक खिलाड़ी को किसी भी प्रकार की बाध्यता या संबद्धता के बिना अपनी पसंद का खेल खेलने और प्रतियोगिताओं में भाग लेने की स्वतंत्रता देने की बात कही गई है। साथ ही किसी भी व्यक्ति या समूह को नियमों के अनुरूप खेल प्रतियोगिताएं आयोजित करने का अधिकार देने की मांग की गई है, बशर्ते उनका उद्देश्य आधिकारिक चयन प्रक्रिया या रैंकिंग को प्रभावित करना न हो। प्रस्ताव में यह भी कहा गया है कि खिलाड़ियों के विरुद्ध अनुशासनात्मक कार्रवाई का अधिकार केवल राष्ट्रीय खेल न्यायाधिकरण या सक्षम प्राधिकरण के पास हो। खेलों को राजनीतिक हस्तक्षेप से मुक्त रखने तथा जिला, राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर चयन प्रक्रिया को पूर्णतः पारदर्शी बनाने पर जोर दिया गया है। साथ ही प्रत्येक खिलाड़ी को मैदान और आधारभूत सुविधाएं सुलभ कराने तथा खेल स्थलों को केवल खेल के लिए संरक्षित रखने की मांग की गई है। क्रीड़ा भारती ने कहा कि देश में खेल संगठनों का योगदान अत्यंत महत्वपूर्ण रहा है, जो नियम निर्माण, प्रशिक्षण और खिलाड़ियों के चयन में अहम भूमिका निभाते हैं। प्रधानमंत्री द्वारा भी समय–समय पर ओलंपियन खिलाड़ियों से गांव–गांव और स्कूलों में जाकर युवाओं को खेल के प्रति प्रेरित करने का आह्वान किया गया है। अंत में संगठन ने सभी खिलाड़ियों, प्रशिक्षकों, खेल एवं शैक्षणिक संस्थानों तथा सामाजिक संगठनों से आह्वान किया कि वे एकजुट होकर देश में पारदर्शी, स्वस्थ और सक्षम खेल व्यवस्था के निर्माण में सहयोग करें। क्रीड़ा भारती का मानना है कि विकसित भारत का मार्ग खेल के मैदान से होकर ही प्रशस्त होता है।

भाजपा कार्यकर्ताओं को घर–घर संपर्क बढ़ाने का निर्देश

दैनिक बुद्ध का संदेश

लोटन/सिद्धार्थनगर। लोटन ब्लाक क्षेत्र के सिकरी बाजार में स्थित कल्पा देवी माधव प्रसाद जूनियर हाईस्कूल परिसर में मंगलवार को भारतीय जनता पार्टी लोटन मंडल की बैठक आयोजित हुई। बैठक में संगठनात्मक मजबूती, आगामी रणनीति एवं केंद्र सरकार की घ्उपलब्धियों पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक को संबोधित करते हुए पूर्व जिलाध्यक्ष बृजबिहारी मिश्रा ने पश्चिम बंगाल सहित तीन राज्यों में भाजपा की ऐतिहासिक जीत पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कार्यकर्ताओं को बधाई दी। उन्होंने कहा कि कार्यकर्ताओं की मेहनत और समर्पण के बल पर पार्टी निरंतर सशक्त हो रही है। उन्होंने कहा कि धारा 370 हटाने और अयोध्या में राम मंदिर निर्माण जैसे ऐतिहासिक निर्णयों से देश नई दिशा में आगे बढ़ रहा है और भारत राम राज्य की ओर अग्रसर है। मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित भाजपा जिला मंत्री बजरंगी वर्मा ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि संगठन की असली ताकत बूथ स्तर पर सक्रिय कार्यकर्ता होते हैं। उन्होंने सभी भाजपा कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि वे घर–घर जाकर लोगों को पार्टी की नीतियों और जनकल्याणकारी योजनाओं से जोड़ें तथा नए लोगों को संगठन से जोड़ने का कार्य करें। उन्होंने कहा कि हर बूथ को मजबूत बनाना ही आगामी चुनावों में जीत की कुंजी है। उन्होंने आगे कहा कि प्रधानमंत्री के मन की बात कार्यक्रम को प्रत्येक बूथ पर सामूहिक रूप से सुनने की व्यवस्था की जाए, ताकि अधिक से अधिक लोग सरकार की योजनाओं और विचारों से अवगत हो सकें। उन्होंने कार्यकर्ताओं से अनुशासन, समर्पण और सेवा भाव के साथ संगठन को आगे बढ़ाने का आह्वान किया । बैठक की अध्यक्षता करते हुए मंडल अध्यक्ष डा. संजय कुमार शुक्ला ने अपने संबोधन में कहा कि बूथ अध्यक्ष और कार्यकर्ता पार्टी की रीढ़ होते हैं। उन्होंने सभी बूथ अध्यक्षों और कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि वे अपने–अपने बूथों पर सक्रिय रहकर संगठन को मजबूत करें, मतदाताओं से निरंतर संपर्क बनाए रखें और सरकार की योजनाओं का लाभ पात्र लोगों तक पहुंचाने में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएं। उन्होंने कहा कि जब हर बूथ मजबूत होगा, तभी संगठन और अधिक सशक्त बन सकेगा। बैठक में मंडल महामंत्री सतीश वर्मा, रूद्रनरायण पाण्डेय, निवर्तमान मंडल अध्यक्ष दृ गनराण सिंह, कृष्ण दत्त त्रिपाठी, मिथलेश तिवारी, विनोद मिश्रा, संतोष पाण्डेय, सन्दीप मद्धेशिया, प्रेमचंद, सुजीत राजभर, बब्लू गुप्ता, श्याम सुंदर यादव सहित आदि कार्यकर्ता पदाधिकारी उपस्थित रहे।

सिद्धार्थनगर में उद्योग बन्धु समिति की बैठक, व्यापारियों की समस्याओं के समाधान और निवेश बढ़ाने पर जोर

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। कलेक्ट्रेट सभागार में जिला स्तरीय उद्योग बन्धु समिति की बैठक मुख्य विकास अधिकारी बलराम सिंह की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। बैठक में पिछली कार्यवृत्ति की समीक्षा करते हुए निवेश, रोजगार सृजन और व्यापारियों की समस्याओं के त्वरित निस्तारण पर विशेष जोर दिया गया। मुख्य विकास अधिकारी बलराम सिंह ने उपायुक्त उद्योग को निर्देश दिया कि जिन उद्यमियों के साथ एमओयू हस्ताक्षरित हुए हैं, उनसे संपर्क कर उनकी समस्याओं का समाधान कराया जाए और उन्हें अधिक निवेश के लिए प्रेरित किया जाए। उन्होंने स्पष्ट किया कि निवेश मित्र पोर्टल पर लंबित मामलों का समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित किया जाए और किसी भी व्यापारी का प्रकरण लंबित न रहे। बैठक में उपस्थित व्यापारियों की समस्याएं सुनते हुए संबंधित अधिकारियों को उनके शीघ्र समाधान के निर्देश दिए गए। नगर पालिका बांसी के अधिशासी अधिकारी को साफ–सफाई व्यवस्था सुधारने और कूड़ा निस्तारण को दुरुस्त करने के निर्देश दिए गए। साथ ही मांस–मछली की दुकानों को चिन्हित स्थान पर स्थानांतरित कराने की बात कही गई। मुख्य विकास अधिकारी ने सभी नगर पालिका और नगर पंचायतों को निर्देशित किया कि खराब पड़े आरओ और वाटर कूलर को ठीक कराकर पुनः संचालित किया जाए। रोजगार सृजन योजनाओं के अंतर्गत लक्ष्य पूर्ति पर जोर देते हुए विश्वकर्मा श्रम सम्मान योजना, मुख्यमंत्री युवा योजना सहित अन्य योजनाओं में अधिक से अधिक लाभार्थियों के आवेदन कराने के लिए कैंप आयोजित करने के निर्देश दिए गए। उन्होंने यह भी कहा कि उद्यमियों द्वारा संचालित परियोजनाओं की सब्सिडी समय से उनके बैंक खातों में भेजी जाए। पशुपालन, एमएसएमई, उद्यान, पर्यटन, प्रधानमंत्री रोजगार सृजन योजना, मुख्यमंत्री स्वरोजगार योजना और एक जनपद एक उत्पाद जैसी योजनाओं से संबंधित समस्याओं को सुनकर संबंधित विभागों को त्वरित समाधान के निर्देश दिए गए। बैठक में उपायुक्त उद्योग, उपायुक्त राज्य कर, लीड बैंक अधिकारी आर के सिन्हा, अधिशासी अभियंता विद्युत ज्ञान प्रकाश, उप कृषि निदेशक राजेश कुमार, जिला खाद्य एवं विपणन अधिकारी, नगर पालिका व नगर पंचायत के अधिशासी अधिकारी सहित अन्य संबंधित अधिकारी और व्यापारी उपस्थित रहे।

सम्पादकीय

दरअसल, कोचिंग संस्थानों के तौर–तरीकों से छात्रों को 'स्पून फीडिंग' की लत लग जाती है। वहां हिंदी में पढ़ाई होती है और तैयार नोट्स को बार–बार रटाया जाता है। वहीं विडंबना यह है कि आईआईटी आदि उच्च तकनीकी संस्थानों में पढ़ाई अंग्रेजी में होती है। वहां समेस्टर सिस्टम में पढ़ाई सेल्फ–स्टडी पर आधारित होती है। यही वजह है कि महज ट्रिक्स द्वारा आईआईटी में प्रवेश करने वाले छात्र ...

मौलिक प्रतिभा के विकास में है बाधक

पिछले दिनों आईआईटी खड़गपुर के डायरेक्टर प्रो. सुमन चक्रवर्ती के उस बयान ने चौंकाया कि कोचिंग के कारोबार ने छात्रों की सोचने की क्षमता को घटाया है। वे प्रतिभा विस्तार व मौलिक सोच में विकास के बजाय कोचिंग उद्योग के चतुराई के खेल में शामिल हो रहे हैं। वे दिमाग के इस्तेमाल के बजाय जेईई प्रवेश परीक्षा के लिए ट्रिक्स से गलत ऑप्शन हटाना सीख रहे हैं। फलतः वे आईआईटी जैसे उच्च संस्थानों में प्रवेश तो पा जाते हैं, लेकिन गुणवत्ता की शिक्षा से साम्य बैठाने में असफल साबित होते हैं, जिससे उनकी आईआईटी में बैक लगने यानी कुछ विषयों अनुतीर्ण होने से बैक लगने की स्थिति पैदा हो रही है। जिससे वे अक्सर तनाव में आ जाते हैं। हो सकता आने वाले समय में किसी अध्ययन व शोध से यह बात सामने आए कि उच्च तकनीक संस्थानों में बढ़ती आत्मघात की प्रवत्ति के पीछे कोचिंग संस्थानों की भेड़चाल से उपजी विसंगतियां हों। निश्चय ही यह स्थिति भारतीय उच्च व तकनीकी संस्थानों में विकसित हो रही इस नकारात्मक प्रवृत्ति को बढ़ाने वाली है। एक समय था कि भारतीय प्रतियोगिता परीक्षाओं की प्रणाली में स्वस्थ स्पर्धा हुआ करती थी। प्रतिभावान विद्यार्थी ही उच्च तकनीकी संस्थानों में प्रवेश पा सकते थे। लेकिन शिक्षा के क्षेत्र में बाजार के लगातार बढ़ते दखल ने सारी स्थिति ही उलट कर रख दी। वहीं दूसरी ओर सीबीएसई और अन्य शिक्षा बोर्डों द्वारा सौ फीसदी तक अंक दिए जाने ने राज्यों के बोर्डों से परीक्षा उतीर्ण करने वाले छात्रों को हीन भावना से भर दिया। निस्संदेदह, वह शिक्षा प्रणाली सवालों के दायरे में आनी चाहिए, जिसमें असंभव से लगने वाले सौ फीसदी अंक छात्रों को दिए जाते हैं। सौ फीसदी अंक एक नहीं कई–कई छात्रों को दिए जाते हैं। वहीं राज्यों के विभिन्न बोर्डों में परीक्षक कंजूसी से नंबर देकर पहले ही छात्रों को राष्ट्रीय स्पर्धा से बाहर कर देते हैं। निश्चय ही यह स्थिति देश के लाखों छात्रों के साथ अन्याय जैसी है। दरअसल, देश में पहले भी कोचिंग व्यवस्था मौजूद रही है। लेकिन एक सहायक की भूमिका में। आज कोचिंग कारोबारियों द्वारा उसे छात्रों के भविष्य का निर्धारण करने वाले एकमात्र विकल्प के रूप में बताया जा रहा है। यह व्यवस्था देश में व्याप्त आर्थिक विभेद को भी और बढ़ाती है। तय है कि संपन्न घरों से आने वाले बच्चे महंगी कोचिंग पाकर गुदड़ी के लालों के जीवन पर सदैव भारी पड़ेंगे। फलतः कुछ मध्यमवर्गीय परिवारों के अभिभावक बच्चों के उज्ज्वल भविष्य के लिए कर्ज लेकर कोचिंग का जुगाड़ करते हैं। अपना पेट काटकर वे बच्चों को महंगे कोचिंग संस्थानों में भेजते हैं। कई अभिभावक अक्सर कर्ज में डूब जाते हैं। वहीं शैक्षिक गुणवत्ता के नजरिये से देखें तो पहले जब कोचिंग एक सहायक की भूमिका में थी तो छात्र विस्तृत पढ़ाई से विषय को समझने का प्रयास करते थे। अब पूरी व्यवस्था कोचिंग केंद्रित होने से शिक्षा की व्यापकता खत्म हो रही है। इसका नकारात्मक प्रभाव यह है कि छात्र परीक्षा के तीन घंटों में सवाल समझकर हल करने की बजाय गलत विकल्पों को हटाने की कोचिंग्स द्वारा सिखायी ट्रिक्स इस्तेमाल करते हैं। दरअसल, कोचिंग संस्थानों के तौर–तरीकों से छात्रों को 'स्पून फीडिंग' की लत लग जाती है। वहां हिंदी में पढ़ाई होती है और तैयार नोट्स को बार–बार रटाया जाता है। वहीं विडंबना यह है कि आईआईटी आदि उच्च तकनीकी संस्थानों में पढ़ाई अंग्रेजी में होती है। वहां समेस्टर सिस्टम में पढ़ाई सेल्फ–स्टडी पर आधारित होती है। यही वजह है कि महज ट्रिक्स द्वारा आईआईटी में प्रवेश करने वाले छात्र आगे की पढ़ाई के साथ साम्य नहीं बैठा पाते। उनको कई विषयों में पूरक परीक्षा देनी पड़ती है, जिससे सुनहरे सपने लेकर आए छात्र गहरे तनाव में आ जाते हैं। कई जगह होने वाले आत्मघात के पीछे यह कारण भी हो सकता है। वहीं टॉपर छात्रों को मीडिया तथा सोशल मीडिया में कोचिंग संस्थानों व अभिभावकों द्वारा सेलिब्रिटी की तरह पेश किया जाता है, जिससे वे इस ग्लैमर से ओवर कॉन्फिडेंट हो जाते हैं। वहीं परिवार का दबाब भी तनाव बढ़ाता है। इस गंभीर स्थिति का समाधान नीति–नियंताओं का करना चाहिए।

घोषणा भारत में मगर अमल पाकिस्तान में

पाक में डीजल–पेट्रोल के भाव 400 रुपये लीटर से ऊपर पहुंचे हैं। पाक जनरल ने पब्लिक से कहा कि हम इंडिया से बहुत आगे हैं, यहां तक पहुंचने में इंडिया को बहुत टाइम लगेगा। नारा इंडिया में दिया गया था, अबकी बार 400 पार। पर इस पर अमल हुआ पाकिस्तान में। वहां डीजल और पेट्रोल के भाव 400 रुपये लीटर से ऊपर जा चुके हैं। पाक जनरल पाक पब्लिक को समझा रहे हैं कि हम इंडिया से बहुत आगे हैं, 400 रुपये तक पहुंचने में इंडिया को बहुत टाइम लगेगा। 993 रुपये उछलते हुए कमर्शियल गैस सिलेंडर ने कहा–घरेलू गैस सिलेंडर से–अब इज्जत से बात किया कर। यह ठीक है कि हमारा कुल गोत्र एक ही है पर अब मेरा भाव बहुत ज्यादा है। घरेलू सिलेंडर ने कहा कि भूल मत, नेता हो या सिलेंडर, भाव अगर बहुत ज्यादा दिखाए तो जनता पत्थर से रीफिल करना शुरू कर देती है। सूरमा भोपाली ने ट्रंप को बताया है कि असल में बगैर जीते हुए भी आप सूरमा बन सकते हो। आप ईरान युद्ध पर एक्जिट पोल कराके खुद को जीता हुआ डिक्लेयर कर दो, खंभा उखाड़ के। आतंकी तस्कर दाऊद इब्राहिम के गुर्गे सलीम डोला का इंपोर्ट, और प्रियंका चोपड़ा का एक्सपोर्ट अमेरिका को बहुत पहले हो चुका है। यानी हमारा ट्रेड बैलेंस बहुत खराब है। इस तरह की आवाजाही सही नहीं है। तस्करों को बाहर ही निपटाया जाए, इस सम्बन्ध में दिशा–निर्देश के लिए धुरंधर थ्री का इंतजार किया जाए। सूरज इतना क्यों गर्म हो रहा है, लगता है कि सूरज के सांसद भी आप के सांसदों की तरह कहीं और निकल लिए हैं। या सूरज के बेटे या दामाद ने एयर कंडीशनर बेचने की एजेंसी ले ली है। या सूरज को ट्रंप ने धमका लिया है कि अगला नंबर सूरज का है, कब्जा कर लेंगे। या सूरज महीनों की गिनती भूल गया है, ऐसी गर्मी जून में देनी थी, वह अप्रैल में ही दे गया। आप के एक नेता ने पार्टी छोड़कर गए राघव चड्ढा से कहा कि तुम्हारी शादी परिणीति चोपड़ा से इसलिए हो पाई कि पार्टी ने तुम्हें राज्यसभा का मेंबर बनाया था। आप शादी करवाती है, यह बात सलमान खान को बता दी जाए तो उनकी शादी भी हो जाएगी। अब आमिर खान की फिल्म थ्री इडियट्स टू की बात चल रही है। आमिर को चुपचाप काम करना चाहिए था। किसी कमाई के काम में ट्रंप हिस्सा मांगते हैं। ट्रंप धमकाएंगे–मुझे और पाकिस्तान के आसिम मुनीर को भी इस फिल्म का इडियट मानो। जब ट्रंप वाले जमावड़े में गोलियों की दहशत थी, तब एक पत्रकार शराब की बोतलों को उठाकर अंदर कर रही थीं। यह है प्रतिबद्धता, लोग जान बचाकर भाग रहे थे, तब वह बोतल बचा रही थीं। फिल्मों के मशहूर शराबी अमिताभ बच्चन से इन्हें सम्मान मिले।

देहरी पर न्याय की चलती-फिरती चौपाल की दस्तक

लेकिन बदलते समय के साथ ये धारणाएं पुनर्विचार की मांग करती हैं। पश्चिम बंगाल और तमिलनाडु में रिकॉर्ड मतदान ने यह संकेत दिया है कि मतदाता अब पारंपरिक आकलनों से परे होकर स्वतंत्र निर्णय लेता है। वह अपने मत का संकेत न पहले देता है, न बाद में प्रकट करता है। यही कारण है कि चुनाव पूर्व अनुमान अक्सर गलत साबित होते हैं। भारतीय मतदाता की यह परिपक्वता और जागरूकता लोकतंत्र ...

'न्याय रो साथी' तकनीक और संविधान के कवच से लैस 'न्याय के लोकतंत्रीकरण' का शंखनाद है, जो विवादों को समाज के भीतर सुलझाने की प्राचीन परंपरा को पुनर्जीवित करता है। इतिहास गवाह है कि न्याय की सुगमता ही किसी शासन की सफलता की कसौटी होती है। मुगल बादशाह जहांगीर ने अपनी 'न्याय की जंजीर' के जरिए यह संदेश दिया था कि फरियादी को दरबार तक आने की जरूरत नहीं, वह जंजीर खींचकर सीधे राजा तक अपनी आवाज पहुंचा सकता है। आज के लोकतांत्रिक भारत में न्यायमूर्ति सूर्यकांत द्वारा 'न्याय रो साथी' वाहनों को हरी झंडी दिखाना उसी 'एक्सेस टू जस्टिस' का आधुनिक और तकनीकी अवतार है। यह पहल राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण (नालसा) के उस विजन को साकार करती है, जहां न्याय केवल एक भव्य इमारत तक सीमित न रहकर, सचल वाहनों के माध्यम से समाज के अंतिम व्यक्ति की दहलीज तक पहुंच रहा है। यह केवल एक प्रशासनिक सुधार नहीं, बल्कि एक सामाजिक क्रांति का उद्घोष है। न्यायमूर्ति सूर्यकांत द्वारा इस पहल को हरी झंडी दिखाना उस विजन को धरातल पर उतारता है, जो केवल प्रशासनिक सुधार नहीं, बल्कि सामाजिक क्रांति का संकेत देते हैं। आज के दौर में, जब अदालतों पर मुकदमों का भारी बोझ है, तब वैकल्पिक विवाद समाधान (ए.डी.आर.) को न्याय व्यवस्था का मुख्य स्तंभ बनाने की अपील महज एक सुझाव नहीं, बल्कि समय की मांग है। अकादमिक दृष्टि से देखें तो 'न्याय रो साथी' पहल विधि के 'प्रो–एक्टिव' स्वरूप को दर्शाती है। प्रसिद्ध विधिशास्त्री रोस्को पाउंड के 'सोशल इंजीनियरिंग' सिद्धांत के अनुसार, कानून का प्राथमिक कार्य समाज के प्रतिस्पर्धी हितों में संतुलन बनाना है। जब न्याय 'सचल' होकर समाज के सबसे कमजोर वर्ग के पास पहुंचता है, तो यह 'डिस्ट्रिब्यूटिव जस्टिस' के विचार को धरातल पर उतारता है। भारतीय संविधान का अनुच्छेद 21 केवल 'जीवन' नहीं, बल्कि 'त्वरित न्याय' और 'सम्मानजनक जीवन' की गारंटी देता है, जिसे अनुच्छेद 39ए (निरूशुल्क विधिक सहायता) ध ारातल पर उतारता है, जो राज्य को यह निर्देश देता है कि वह सुनिश्चित करे कि आर्थिक या अन्य अक्षमताओं के कारण कोई भी नागरिक न्याय से वंचित न रहे। इसी संवैध ानिक वादे की भौतिक परिणति हैदृ'न्याय रो साथी'। यह वाहन केवल एक गाड़ी नहीं, बल्कि एक 'लीगल एम्बुलेंस' है, जो विवाद के 'नासूर' बनने से पहले ही मध्यस्थता के जरिए उसका 'कानूनी प्राथमिक उपचार' कर देती है। यह पहल सुनिश्चित करती है कि 'न्याय तक पहुंच' एक अध िकार बना रहे, न कि कोई विशेषाधिकार। यह 'डिजिटल साक्षरता' और 'सचल न्याय' के समन्वय से ग्रामीण भारत में शोषण पर लगाम लगाने का एक सशक्त माध्यम है। न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने वैकल्पिक विवाद समाधान को न्याय व्यवस्था का मुख्य स्तंभ बनाने पर जो बल दिया है, वह वास्तव में भारतीय समाज में 'लीगल प्लुरलिज्म' की गहरी स्वीकृति है। भारत जैसे देश में, जहां पारंपरिक रूप से पंचायतों और मध्यस्थता की जड़ें ऐतिहासिक रूप से गहरी रही हैं, एडीआर उन प्राचीन पद्धतियों को एक आधुनिक संवैधानिक ढांचा प्रदान करता है। यह पहल पारंपरिक मुकदमेबाजी की 'जीत–हार' वाली कठोर मानसिकता को 'संवाद और समाधान' में बदलकर समय, धन और संबंधों को टूटने से बचाता है। यदि छोटे दीवानी और शमनीय मामलों का निपटारा इसी मंच पर हो, तो उच्च न्यायपालिका के पास जटिल संवैध ानिक और नीतिगत विषयों के लिए अधिक समय उपलब्ध होगा। इन वाहनों की सबसे बड़ी शक्ति इनका तकनीक से लैस होना है। ई–फाइलिंग और वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध यम से ये 'डिजिटल डिवाइड' को पाटते हुए न्याय का एक 'मानवीय चेहरा' प्रस्तुत करते हैं। तकनीक का यह समावेशन केवल प्रक्रियात्मक सुगमता नहीं, बल्कि न्याय के 'संवैधानिक नैतिकता' के प्रति हमारे संकल्प को दर्शाता है। जब एक सुदूर गांव का व्यक्ति वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से कानूनी परामर्श पाता है, तो वह राज्य की न्यायप्रियता में अपना खोया हुआ विश्वास पुनर्जीवित करता है। यह 'लीगल ऑल्ट्रिज्म' (विधिक परोपकारिता) का वह स्वरूप है, जहां कानून की शुष्कता मानवीय संवेदनाओं के साथ मिलकर समाज के अंतिम व्यक्ति के जीवन में आशा का संचार करती है। न्याय की यह वैश्विक अवधारणा भारत को उन प्रगतिशील देशों की श्रेणी में खड़ा करती है जहां 'एक्सेस टू जस्टिस' के मॉडल तेजी से बदल रहे हैं। जैसे ऑस्ट्रेलिया और कनाडा में 'मोबाइल लीगल एड' सुदूर क्षेत्रों तक पहुंच रही है, सिंगापुर 'एडीआर हब' बनकर मध्यस्थता को प्राथमिकता दे रहा है, और ब्रिटेन का 'स्मॉल क्लेम ट्रैक' बिना जटिलता के छोटे विवाद सुलझा रहा हैय ठीक वैसे ही 'न्याय रो साथी' तकनीक और गतिशीलता के समन्वय से भारत में न्याय के नए वैश्विक मानक स्थापित कर रहा है।

गोल्फ में भी हरफनमौला बन गए कपिल देव

उनके करिश्मे, लोकप्रियता और गोल्फ के प्रति उनके गहरे प्रेम ने उन्हें 'प्रोफेशनल गोल्फ इंडियन टूअर' के बोर्ड की लगभग सर्वसम्मत पसंद बना दिया, और उन्हें इस संस्था के प्रबंधन मंडल का अध यक्ष नियुक्त किया गया। अध्यक्ष के तौर पर अपने एक साल से कुछ ही अधिक कार्यकाल में ही, वे और ज्यादा प्रायोजकों को प्रतियोगिता से जोड़ने में सफल रहे हैं। इससे प्रतियोगिता को विस्तार करने ...

कपिल जैसे इंसान के लिए, जिसने गोल्फ को उम्र के बाद वाले पड़ाव में खेलना शुरू किया हो, गोल्फ में हासिल उपलब्धि अविश्वसनीय है। उन्होंने साबित किया कि प्रतिभा किसी भी सीमा में नहीं बंधती। उन्माद से भरी भीड़ और इंडियन प्रीमियर लीग क्रिकेट के बहरा कर देने वाले कर्कश शोर से दूर, एक गोल्फ कोर्स की अपनी एक अलग ही लय होती है। शांत, ठहरी हुई ऐसी सुरम्य जगह, जो आत्म–मंथन करने को भी मुफीद है। यह ध्यान एकाग्रता की वह जगह है, जो शारीरिक कौशल और सधे मन की परीक्षा लेती है। यहां का ऊंचा–नीचा इलाका, तालाब, पेड़, सपाट मैदान और रेशमी हरी दूब न सिर्फ देखने में सुंदर होती है बल्कि ये खेल और खुद पर महारत हासिल करने में भी मददगार हैं। कोई हैरानी नहीं कि कपिल देव को क्रिकेट जगत से संन्यास लेने के बाददृयही वह दुनिया है जिसने उन्हें अपने सबसे बेहतरीन खिलाड़ियों में से एक का ताज पहनाया–गोल्फ में कहीं ज्यादा सौम्य स्वागत करने वाला सान्निध्य मिला। कपिल ने 15 सालों तक क्रिकेट के मैदान को अपने कौशल, ऊर्जा और जुनून से रोशन किए रखा, जो भारत के खेल इतिहास में अविस्मरणीय था। उन्होंने अपनी हरफनमौला प्रतिभा का प्रदर्शन जोशीले और चाहने वाले प्रशंसकों के सामने किया। शोरभरी तारीफों के माहौल में वे सार्वजनिक जगहों पर शांत एवं निजी लम्हों के अहसास को तरस चुके थे। वर्ष 1994 में जब उन्होंने अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट को अलविदा कहा तो वे शांति की तलाश में थे, एक ऐसी जगह जहां सुकून हो और भीड़ के घेराव से मुक्त।

67 साल की उम्र में शायद कपिल में अपने जवानी जैसा जोश और फुर्ती भले ही न हो, लेकिन काम और गोल्फ के प्रति उनका पुराना जुनून और ऊर्जा रत्तीभर भी कम नहीं हुई है। सिर पर बीचों–बीच बंटे सफेद–काले बालों का स्टाइल उनकी करिश्माई शख्सियत को और गरिमापूर्ण अंदाज देता है। समय की रवानगी उनके चेहरे पर बन गई सिलवटों और नपे–तुले, नरम किंतु दृढ़ता से बोले गए उनके शब्दों में साफ झलकती है, उम्र के साथ परिपक्व हुआ एक व्यक्तित्व। विरोधाभास यह कि खेल के परंपरागत तरीकों में न बंधने वाले वाले इस जुझारू और आक्रामक क्रिकेटर की परवरिश एक ऐसे शहर में हुई, जिसकी परिकल्पना, डिजाइन और निर्माण ज्यामितीय सटीकता से बंधी हुई है। चंडीगढ़, आजाद भारत का एक ऐसा शहर जिसकी पहचान सीधी रेखाओं और कड़ाई से पालना किए जाने वाले डिजाइन से हैकृएक ऐसे प्रतिभाशाली खिलाड़ी को संवार रहा था, जिसने क्रिकेट की कोचिंग पुस्तकों में दिए पारंपरिक नियमों की जरा भी परवाह नहीं की। तब भी उन्होंने अपना एक अनोखा रास्ता खुद ही बनाया था, और आज भी वह वैसा ही कर रहे हैं। अपने विशाल दो–मंजिला दफ्तर के एक कक्ष में बैठे हुएकृजो गोल्फ की भाषा में दिल्ली के मशहूर इंडिया गेट से महज एक 'टी–शॉट' (लगभग 300 मीटर) की दूरी पर हैकृकपिल अपनी उस अग्रगामी सोच पर कायम हैं, जो परी–कथा जैसे उनके शानदार सफर को लगातार आगे बढ़ाने में मार्गदर्शक रही। 'इस कमरे में चारों ओर देखिए, आपको क्रिकेट से जुड़ी एक भी तस्वीर या यादगार चीज नहीं मिलेगी'। क्रिकेट अब उनकी जिंदगी में महज एक छोटा–सा बिंदु बनकर रह गया हैय ग्रेटर नोएडा स्थित 300 बिस्तरों वाले सुपर–स्पेशियलिटी अस्पताल का गौरवशाली मालिक होने के अलावा और गोल्फ आज उनकी पूंजी है, उनका अधिकांश समय इनमें व्यतीत होता है। उन्हीं के शब्दों मेंकृ'मैं ऐसा ही हूं। चाहे यह कंचे खेलना रहा हो, पतंगबाजी या क्रिकेट, एक बार जब मैं किसी चीज से दूर हो जाता हूं, तो मैं फिर से उसकी ओर लौटना पसंद नहीं करता।' भारत का प्रतिनिध ित्व करते समय, उन्होंने कभी गोल्फ खेलने के बारे में सोचा तक नहीं थाकृयहां तक कि तब भी नहीं, जब वे दिल्ली के एक गोल्फ कोर्स में महान गैरी सोबर्स के साथ गए थे। संन्यास के बाद, एक दोस्त ने उन्हें सुझाया कि प्रशंसकों की दखल देती नजरों से दूर रहने के लिए गोल्फ कोर्स सबसे मुफीद रहेगा। पर पहले ही दिन, दिल्ली गोल्फ क्लब के पहले ही होल पर ही, सैकड़ों लोग आन जुटे। उनसे कहा गया कि वे फिक्र न करें। जैसे–जैसे वे आगे बढ़े, किसी ने पीछा नहीं किया, किसी ने उन्हें घेरा नहीं। उन्हें अपनी जिंदगी का अगला मुकाम मिल गया था। एक साल के भीतर ही, उनका 'हैंडिकैप' आठ हो गया थाकृक्रिकेट की भाषा में इसका मतलब यह होगा कि रणजी ट्रॉफी खेलने लायक महारत पा लेना। उन्हें इस खेल से प्यार हो गया था। ध्यान लगाने जैसे वातावरण में, गोल्फ मानो समय को आत्मसात्‌ कर लेता है, उसे थाम लेता है। यह जीवनपर्यंत जारी रहने वाली लत बन सकता है, खेल जीवन का ही एक रूपक बन जाता हैकृचंचल, नाजुक, फिर भी संतुष्टि के ऐसे पलों से परिपूर्ण, जो आपको इससे जोड़े रखते हैं। तीन साल के अंदर ही, उनका हैंडिकैप घटकर दो पर आ गया थाय इसका मतलब था कि उनकी योग्यता एक पेशेवर गोल्फर बनने के लिए काफी है। क्रिकेट की भाषा में कहें तो, भारत की राष्ट्रीय टीम में होने या आईपीएल का एक स्टार खिलाड़ी बनने जितना खेल कौशल पा लेना। एक ऐसे इंसान के लिए जिसने गोल्फ को उम्र के बाद वाले पड़ाव में खेलना शुरू किया हो, यह एक अविश्वसनीय उपलब्धि थी। उन्होंने एक बार फिर से साबित किया कि प्रतिभा किसी भी सीमा में नहीं बंधती। एक ऐसी दुनिया में जहां खेल का प्रदर्शन शारीरिक रूप से श्रम साध्य और तैयारी मन को साधने से बनता है, कपिल ने अपनी गोल्फ स्विंग्स के साथ लगभग पवित्र रिश्ता बना लिया है।

आईपीएल लाइव मैच में क्रिकेटर ने दिखाई जय श्री राम लिखी पर्ची, 15 साल का दर्द किया बयां, जानिए पूरा मामला

मुंबई इंडियंस के स्टार रघु शर्मा ने सोमवार को आईपीएल में अपना पहला विकेट लेने के बाद एक रहस्यमय नोट के साथ जश्न मनाया। उन्होंने आईपीएल 2026 में लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ मैच में फ्रेंचाइजी के लिए पदार्पण किया और साथी नवोदित खिलाड़ी अक्षत रघुवंशी का विकेट लिया। लखनऊ सुपर जायंट्स की पारी के 13वें ओवर में रघु ने अपनी ही गेंदबाजी पर एक आसान कैच लेकर अपना पहला विकेट हासिल किया और जश्न मनाते हुए उन्होंने अपनी जेब से एक नोट निकाला और स्टैंड्स की ओर दिखाया। नोट में लिखा था – ष्राधे राधे। गुरुदेव की दिव्य कृपा से आज 15 साल का बहुत दर्द भरा सफर खत्म हुआ। मुझे यह मौका देने के लिए मुंबई इंडियंस (ब्लू एंड गोल्ड) का धन्यवाद। सदा आभारी। जय श्री राम।ष रघु ने अपने 4 ओवरों में 4 विकेट लिए।

सलामी बल्लेबाजों रोहित शर्मा और रेयान रिकेल्टन के अर्धशतक और दोनों के बीच शतकीय साझेदारी से मुंबई इंडियन्स ने इंडियन प्रीमियर लीग की तालिका की सबसे निचले पायदान की दो टीम के बीच हुए मुकाबले में सोमवार को यहां लखनऊ सुपर जाइंट्स को छह विकेट से हराकर नॉकआउट में जगह बनाने की अपनी मामूली उम्मीदों को जीवंत रखा। इस जीत से मुंबई के 10 मैच में तीन जीत से छह अंक हो गए हैं और टीम नौवें स्थान पर बनी हुई है।

सुपर जाइंट्स की टीम लगातार छठी हार के बाद नौ मैच में चार अंक के साथ 10वें और अंतिम पायदान पर है। सुपर जाइंट्स के 229 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए मुंबई इंडियन्स ने चोट के बाद वापसी कर रहे रोहित (84 रन, 44 गेंद, छह चौके, सात छक्के) और रिकेल्टन (83 रन, 32 गेंद, छह चौके, आठ छक्के) के बीच पहले विकेट की 143 रन की तूफानी साझेदारी की बदौलत आठ गेंद शेष रहते चार विकेट पर 229 रन बनाकर आसान जीत दर्ज की। निकोलस पूरन (63 रन, 21 गेंद, आठ छक्के, एक चौका) ने अर्धशतक जड़ने के अलावा सलामी बल्लेबाज मिचेल मार्श (44 रन, 25 गेंद, चार चौके, तीन छक्के) के साथ दूसरे विकेट के लिए 94 रन जोड़े जिससे सुपर जाइंट्स ने पांच विकेट पर 228 रन बनाए।

हिम्मत सिंह (नाबाद 40, 31 गेंद, दो चौके, दो छक्के) और एडेन मारक्रम (नाबाद 31, 25 गेंद, एक छक्का, एक चौका) ने अंत में छठे विकेट के लिए 49 गेंद में 68 रन की अटूट साझेदारी करके टीम का स्कोर 200 रन के पार पहुंचाया लेकिन दोनों रन गति में इजाफा करने में नाकाम रहे।

मुंबई की ओर से कोर्बिन बॉश सबसे सफल गेंदबाज रहे जिन्होंने 20 रन देकर दो विकेट चटकाए। अल्लाह गजनफर (50 रन पर एक विकेट), विल जैक्स (34 रन पर एक विकेट) और रघु शर्मा (36 रन पर एक विकेट) ने एक–एक विकेट हासिल किया। लक्ष्य का पीछा करने उतरे मुंबई इंडियन्स को रिकेल्टन और रोहित ने शानदार शुरुआत दिलाई।

बलूचिस्तान में पड़ गई चीन को लात, तगड़ी फिल्डिंग लगा घुस गया अमेरिका

बलूचिस्तान को लेकर एक बार फिर जबरदस्त बवाल मचा हुआ और इस बार यह मामला सिर्फ स्थानीय शांति तक सीमित नहीं बल्कि इसमें चीन, अमेरिका और पाकिस्तान के बीच चल रहा खेल खुलकर सामने आ गया। बलूचिस्तान पहले से अस्थिर रहा है, लेकिन अब यहां की शांति और भी विस्फोटक होती जा रही है। न्यूयॉर्क टाइम्स की एक रिपोर्ट के मुताबिक पाकिस्तान ने अपने खनन क्षेत्र में अमेरिका को बड़ी हिस्सेदारी देने का फैसला कर लिया है। यानी साफ अब वो चीन के साथ–साथ अमेरिका को भी मैदान में उतार कर खेल बदलना चाहता है। रिपोर्ट के मुताबिक इस नई डील की शुरुआत एक बेहद दिलचस्प तरीके से हुई। पिछले साल पाकिस्तान के सेना प्रमुख असीम मुनीर ने अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप को रत्नों से भरा एक खास तोहफा दिया था। हालांकि इसकी तस्वीर भी सोशल मीडिया पर बड़ी वायरल हुई। यह सिर्फ एक गिफ्ट नहीं था बल्कि एक संकेत था कि बलूचिस्तान की जमीन में छुपे सोने और तांबे के भंडार से अमेरिका अरबों डॉलर कमा सकता है। इसके बाद करीब 1.3 बिलियन डॉलर के निवेश की राह खुली। हालांकि आपको बता दें बलूचिस्तान में चीन लंबे वक्त से कई बड़े प्रोजेक्ट चला रहा है। कई सालों तक पाकिस्तान और चीन ने मिलकर इस इलाके में विकास के नाम पर बड़े–बड़े प्रोजेक्ट चलाए। चाइना पाकिस्तान इकोनॉमिक कॉरिडोर के जरिए चीन ने यहां भारी निवेश भी किया और इसे अपने वैश्विक नेटवर्क का अहम हिस्सा बनाने की कोशिश की। लेकिन चीन ने जो गलती की थी शायद अब अमेरिका भी वही गलती करने जा रहा है। चीन बलूचिस्तान में तो घुस गया लेकिन बलोच लोगों से ना तो उसका प्रोजेक्ट सुरक्षित रहा और ना ही उसके इंजीनियर्स। लंबे समय से वहां की बलोच लिबरेशन आर्मी चीन के इस प्रोजेक्ट का विरोध कर रही है और इस विरोध में कई चीनी इंजीनियर्स और पाकिस्तानी सैनिक मारे जा चुके हैं। और वहीं अमेरिका से जिस डील को पाकिस्तान गेम चेंजर मान रहा था अब वो भी हिंसा की आग में फंस चुका है। क्योंकि पिछले एक साल में बलोच लिबरेशन आर्मी ने वहां पर कई बड़े हमले किए हैं। हाल ही में बीएलए ने 12 इलाकों में 18 जगहों को निशाना बनाया था। जिसमें 58 से ज्यादा लोगों की जान चली गई थी। ये हमले खासतौर पर उन रास्तों पर हुए जो रिकोडक खदान की तरफ जाते हैं। यानी सीधे–सीधे पाकिस्तान के इस बड़े प्रोजेक्ट को चुनौती।

अब हालात यह है कि जिन विदेशी ताकतों को पाकिस्तान यहां लाकर ताकत दिखाना चाहता था। वही अब डरने लगी हैं। बैरिक गोल्ड जैसी कंपनियों ने भी सुरक्षा हालात खराब होने के चलते अपने प्रोजेक्ट धीमे कर दिए हैं। इस पूरे विवाद का एक और खतरनाक पहलू है बदलता हुआ विद्रोह। पहले यह आंदोलन सीमित था लेकिन अब पढ़े लिखे बलोच युवा भी इसमें शामिल हो रहे हैं। उन्हें लगता है कि उनकी जमीन से संसाधन निकालकर बाहरी ताकतों को बेचा जा रहा है। ऊपर से मानवाधिकार उल्लंघन और जबरन गायब किए गए लोगों के आरोप इस आग में और घी डाल रहे हैं। कुल मिलाकर पहले तो पाकिस्तान ने चीन को झटका दिया। अमेरिका को एक तरह से बलूचिस्तान में घुसाने का फैसला लिया और अब बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी के कई हमलों ने एक तरह से चीन और अमेरिका की गर्दन यहां पर फंसा दी है। कुल मिलाकर बलूचिस्तान अब सिर्फ एक खनिज क्षेत्र नहीं रहा। यह एक जंग का मैदान बन चुका है। चीन, अमेरिका और पाकिस्तान तीनों अपनी जगह अपनी चाल चल रहे हैं।

युद्ध की आहट से दहला बाजारः सोने की कीमतों ने छुआ 1,49,950 का स्तर, निवेशकों की बढ़ी चिंता

वैश्विक स्तर पर गहराते भू–राजनीतिक संकट, विशेष रूप से अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ते युद्ध के तनाव ने एक बार फिर निवेशकों को सुरक्षित निवेश की ओर मोड़ दिया है। इस तनाव का सीधा असर आज भारतीय वायदा बाजार में कीमती धातुओं की कीमतों पर देखने को मिला। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज पर मंगलवार सुबह सोने के भाव में तेजी के साथ कारोबार की शुरुआत हुई। 5 जून की मैच्योरिटी वाला गोल्ड कॉन्ट्रैक्ट पिछले बंद भाव ध1,49,339 के मुकाबले ध410 (0.27%) की बढ़त लेकर ध1,49,749 प्रति 10 ग्राम पर खुला। जैसे–जैसे वैश्विक तनाव की खबरें तेज हुईं, इंट्राडे ट्रेडिंग के दौरान सोने ने ध1,49,950 के उच्च स्तर को छू लिया। यह पिछले दिन के मुकाबले करीब 611 (0.40%) की बड़ी उछाल थी। हालांकि, शुरुआती तेजी के बाद बाजार में मामूली स्थिरता देखी गई और आखिरी बार यह ध52 (0.03:) की मामूली बढ़त के साथ ध1,49,391 पर कारोबार करता दिखा।

तनाव का बाजार पर असर

बाजार विशेषज्ञों का मानना है कि अमेरिका और ईरान के बीच चल रहे युद्ध ने वैश्विक अर्थव्यवस्था में अनिश्चितता पैदा कर दी है। आमतौर पर जब भी दो देशों के बीच युद्ध या सैन्य तनाव बढ़ता है, तो शेयर बाजार में गिरावट और सोने–चांदी जैसी कीमती धातुओं में तेजी आती है। निवेशक जोखिम से बचने के लिए अपनी पूंजी को डॉलर और सोने में पार्क करना शुरू कर देते हैं।

MCX पर चांदी की कीमत

इसी तरह, 3 जुलाई, 2026 को मैच्योर होने वाले चांदी के वायदा भाव गिरावट के साथ खुले। इसने ट्रेडिंग सत्र की शुरुआत 2,43,426 रुपये पर की, जबकि पिछला बंद भाव 2,43,895 रुपये थाय यह 469 रुपये या 0.19 प्रतिशत की गिरावट थी। बाद में इसमें सुधार हुआ और यह 2,44,326 रुपये के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया, जो 431 रुपये या 0.17 प्रतिशत की बढ़त थी।

अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने की कीमत

अंतरराष्ट्रीय बाजार में, **COMEX** पर सोने की कीमत 0.28 प्रतिशत बढ़कर लगभग 4,545.8 **USD** प्रति ट्रॉय औंस हो गई। सुबह 10:44 बजे स्पॉट गोल्ड की कीमत 4,539.93 ैन्क प्रति औंस थी, जिसमें 15.90 ैन्क या 0.35 प्रतिशत की बढ़त हुई थी।"**MCX Gold** की शुरुआत स्थिर रही और अभी यह 1,49,000 रुपये से 1,50,000 रुपये के दायरे में ट्रेड कर रहा है। हालांकि, कीमतों में उतार–चढ़ाव से पता चलता है कि अंदरूनी तौर पर बिकवाली का दबाव बना हुआ है। तत्काल रेजिस्टेंस 1,51,000 रुपये से 1,52,000 रुपये पर हैय अगर कीमतें इस दायरे से ऊपर बनी रहती हैं, तो इससे नजदीकी समय का मंदी का दबाव कम हो सकता है और कीमतें 1,55,000 रुपये से 1,56,000 रुपये के जोन की ओर बढ़ सकती हैं। दूसरी ओर, अगर कीमतें 1,48,000 रुपये से 1,47,000 रुपये से नीचे गिरती हैं, तो इससे और कमजोरी आ सकती है और कीमतें 1,45,000 रुपये से 1,44,000 रुपये तक जा सकती हैं, जिसमें 1,40,000 रुपये एक मजबूत सपोर्ट बेस का काम करेगा। कुल मिलाकर, नजदीकी समय का रुख सतर्क बना हुआ है, जो डॉलर की मजबूत मांग और बदलती भू–राजनीतिक स्थितियों से प्रभावित है,ष एनरिच मनी के ब्म्व्, पोनमुडी आर ने कहा।

बड़े शहरों में सोने और चांदी की कीमतें देखें

दिल्ली में सोने की कीमत

दिल्ली में, 24–कैरेट सोने की कीमत 1,49,230 रुपये प्रति 10 ग्राम बताई गई। 22–कैरेट सोने के लिए, ग्राहक को 1,36,900 रुपये प्रति 10 ग्राम खर्च करने होंगे।

मुंबई में सोने की कीमत

मुंबई में, 24–कैरेट सोना 1,49,180 रुपये प्रति 10 ग्राम पर उपलब्ध था, जबकि 22–कैरेट सोना 1,36,750 रुपये प्रति 10 ग्राम पर था।

कोलकाता में सोने की कीमत

कोलकाता में आज 24–कैरेट सोने की कीमत 1,49,180 रुपये प्रति 10 ग्राम थी, जबकि 22–कैरेट सोने की दर 1,36,750 रुपये प्रति 10 ग्राम थी।

चेन्नई में सोने की कीमत

चेन्नई में, 24–कैरेट सोना 1,50,770 रुपये प्रति 10 ग्राम पर उपलब्ध था। 22–कैरेट सोने का रेट 1,38,200 रुपये प्रति 10 ग्राम था।

दिल्ली में चांदी की कीमतें

राष्ट्रीय राजधानी में चांदी की कीमत 2,55,000 रुपये प्रति किलोग्राम थी।

मुंबई में चांदी की कीमत

मुंबई में, आज इस कीमती धातु को खरीदने के लिए ग्राहक को 2,55,000 रुपये प्रति किलोग्राम चुकाने होंगे।

कोलकाता में चांदी की कीमत

कोलकाता में, 1 किलोग्राम चांदी की कीमत 2,55,000 रुपये रही।

चेन्नई में चांदी की कीमत

चेन्नई में, इस कीमती धातु की कीमत 2,65,000 रुपये प्रति किलोग्राम रही।

यूएई पर हमले के बाद पीएम मोदी का संदेश, कहा– भारत पूरी एकजुटता से आपके साथ है

भारत ने मंगलवार को संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में एक तेल उद्योग परिसर पर ईरानी हमलों की निंदा की, जिसमें तीन भारतीय घायल हो गए। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नागरिकों और बुनियादी ढांचे को निशाना बनाने को अस्वीकार्य बताया। संयुक्त अरब अमीरात (न्।म्) के फुजैराह पेट्रोलियम इंडस्ट्रीज जोन को ड्रोन और मिसाइलों से निशाना बनाया गया। यह हमला अमेरिकी प्रशासन द्वारा होर्मुज जलडमरूमध्य में फंसे व्यापारिक जहाजों को सुरक्षित निकालने के लिए शुरू की गई परियोजना श्प्रोजेक्ट फ्रीडमश के तुरंत बाद हुआ। ईरान ने पश्चिम एशिया में 28 फरवरी से शुरू हुए संघर्ष के बाद से होर्मुज जलडमरूमध्य को बंद कर रखा है। मोदी ने सोशल मीडिया पर कहा यूएई पर हुए हमलों की मैं कड़ी निंदा करता हूं, जिनमें तीन भारतीय नागरिक घायल हुए हैं। नागरिकों और बुनियादी ढांचे को निशाना बनाना अस्वीकार्य है। उन्होंने आगे कहा कि भारत यूएई के साथ पूरी तरह एकजुट है और संवाद और कूटनीति के माध्यम से सभी मुद्दों के शांतिपूर्ण समाधान के लिए अपना समर्थन दोहराता है।

मोदी ने कहा कि होर्मुज जलडमरूमध्य से सुरक्षित और निर्बाध आवागमन सुनिश्चित करना क्षेत्रीय शांति, स्थिरता और वैश्विक ऊर्जा सुरक्षा के लिए अत्यंत आवश्यक है। इससे पहले, विदेश मंत्रालय के एक बयान में भी फुजैराह पर हुए हमले को अस्वीकार्य बताया गया था। बयान में कहा गया, हम इन शत्रुताओं को तत्काल समाप्त करने और नागरिक बुनियादी ढांचे और निर्दोष नागरिकों को निशाना बनाने को रोकने का आह्वान करते हैं। मंत्रालय ने पश्चिम एशिया में शांति और स्थिरता बहाल करने और स्थिति से निपटने के लिए संवाद और कूटनीति के प्रति भारत के समर्थन को दोहराया। इसने अंतरराष्ट्रीय कानून के अनुरूप होर्मुज जलडमरूमध्य से निर्बाध नौवहन और व्यापार का आह्वान किया और कहा कि भारत समस्याओं के शांतिपूर्ण समाधान के सभी प्रयासों का समर्थन करने के लिए तत्पर है।

प्रधानमंत्री के सोशल मीडिया पोस्ट और विदेश मंत्रालय के बयान दोनों में ईरान का सीधा जिक्र नहीं किया गया। संयुक्त अरब अमीरात ने ईरान पर सोमवार को मिसाइलों और ड्रोन हमलों का आरोप लगाया है, जिसमें पूर्वी अमीरात फुजैराह में तेल उद्योग परिसर पर हमला भी शामिल है। फुजैराह पेट्रोलियम इंडस्ट्रीज जोन में लगी भीषण आग में तीन भारतीय मामूली रूप से घायल हो गए और उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया।

यूएई की नई रणनीतिः **Global Talent** और निवेशकों को लुभाने के लिए गोल्डन वीजा में बड़े बदलाव

संयुक्त अरब अमीरात ने वैश्विक निवेशकों और उद्यमियों को आकर्षित करने के उद्देश्य से अपने गोल्डन वीजा सिस्टम में बड़े बदलाव किए हैं। एक नए निवेशक पोर्टल के साथ, यूएई ने आवेदन प्रक्रिया को सरल बनाया है और साथ ही स्टार्टअप और छोटे व्यवसायों के लिए नए प्रोत्साहन भी पेश किए हैं। दीर्घकालिक निवास कार्यक्रम विदेशी नागरिकों को स्थानीय प्रायोजक के बिना यूएई में रहने और काम करने की अनुमति देता है। इस बदलाव का एक प्रमुख आकर्षण लघु एवं मध्यम उद्यमों (एसएमई) पर ध्यान केंद्रित करना है, जिसमें निवेश से जुड़े रास्ते और तेज प्रक्रिया शामिल हैं, जो व्यापार वृद्धि को बढ़ावा देने के लिए डिजाइन किए गए हैं। यह कदम यूएई की उस व्यापक रणनीति का हिस्सा है जिसके तहत वह खुद को नवाचार, प्रतिभा और पूंजी के वैश्विक केंद्र के रूप में स्थापित करना चाहता है।

दुबई ने अपने 2 वर्षीय संपत्ति–आधारित निवास वीजा को अब और भी सुलभ बना दिया है। पहले, खरीदारों को कम से कम 7.5 लाख ऑस्ट्रेलियाई डॉलर का निवेश करना पड़ता था। अब, एकल संपत्ति मालिकों के लिए यह नियम हटा दिया गया है, जिससे कम निवेश के साथ भी अधिक निवेशक निवास के लिए पात्र हो सकेंगे।

एकल खरीदारों के लिए बड़ी राहत

यदि आप दुबई में किसी संपत्ति के एकमात्र मालिक हैं, तो अब न्यूनतम मूल्य की कोई आवश्यकता नहीं है। इस महत्वपूर्ण बदलाव से प्रवेश की बाधा कम हो गई है और निवेशक कम बजट में भी घर खरीद सकते हैं और फिर भी 2 वर्षीय यूएई निवास वीजा के लिए पात्र हो सकते हैं।

दुबई संयुक्त संपत्ति वीजा नियम

संयुक्त स्वामित्व वाली संपत्तियों के लिए, प्रत्येक निवेशक के पास कम से कम 4 लाख एईडी का हिस्सा होना चाहिए। इससे यह सुनिश्चित होता है कि नियमों में ढील दिए जाने के बावजूद, सह–मालिक निवास लाभ प्राप्त करने के लिए एक सार्थक निवेश हिस्सेदारी बनाए रखें।

भारतीयों के लिए दुबई रियल एस्टेट

भारतीय निवेशक अक्सर उभरते क्षेत्रों में स्टूडियो और 1ठभ्ञ जैसे किफायती घरों को प्राथमिकता देते हैं। पहले, संपत्ति के कम मूल्यों के कारण ये खरीदार वीजा पात्रता से वंचित रह जाते थे। अब, वे दुबई में किफायती निवेश को निवास लाभ के साथ जोड़ सकते हैं।

केवल कम कीमतों पर नहीं, प्रतिफल पर ध्यान दें

विशेषज्ञों का सुझाव है कि निवेशकों को अंधाधुंध सस्ती संपत्तियां खरीदने की जल्दबाजी नहीं करनी चाहिए। समझदार खरीदार किराये से होने वाली आय, कनेक्टिविटी और दीर्घकालिक विकास का मूल्यांकन कर रहे हैं। ध्यान केवल सामर्थ्य से हटकर समग्र निवेश गुणवत्ता और जीवनशैली मूल्य पर केंद्रित हो रहा है।

यूपी के विधानसभा चुनाव में भी जीत का रेकार्ड बनायेगी भाजपा–दयाराम चौधरी

बस्ती। भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता पूर्व विधायक दयाराम चौधरी ने पश्चिम बंगाल, असम में भाजपा की ऐतिहासिक जीत, केंद्रशासित प्रदेश पुडुचेरी में एनडीए की सरकार बनने पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुये कहा है कि यह भाजपा के नीति, कार्यक्रम और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह के साथ ही पार्टी नेताओं, कार्यकर्ताओं के परिश्रम और भरोसे की जीत है। मंगलवार को अपने आवास पर पार्टी नेताओं, कार्यकर्ताओं के साथ खुशियों को साझा करते हुये दयाराम चौधरी ने कहा कि पंजाब और उत्तर प्रदेश के आने वाले चुनावों में भाजपा जीत का रेकार्ड बनायेगी। पूर्व विधायक दयाराम चौधरी ने कहा कि भाजपा को लगातार जीत मिलने के पीछे कड़ा परिश्रम, कल्याणकारी योजनायें और सबका साथ, सबका विकास का संकल्प है। उन्होने कहा कि जिस प्रकार से देश की जनता का भरोसा भाजपा नेतृत्व पर बढ रहा है उससे स्पष्ट है कि उत्तर प्रदेश के विधानसभा चुनाव में भाजपा मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में पार्टी नेतृत्व और देव तुल्य कार्यकर्ताओं के बूते मजबूत सरकार बनायेगी। कहा कि पश्चिम बंगाल के चुनाव में मिली ऐतिहासिक जीत के पीछे मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की भी बड़ी भूमिका रही है। उन्होने पश्चिम बंगाल के मतदाताओं को जगाने का काम किया। कहा कि भाजपा का विजय रथ जन समर्थन से निरन्तर आगे बढता रहेगा। भाजपा को मिली ऐतिहासिक जीत पर एक दूसरे को मिठाई खिलाकर खुशियों को साझा करने वालों में मुख्य रूप से राम बहादुर वर्मा,डब्लू चौधरी, आशीष चौधरी, लालचंद चौधरी,राजन पाण्डेय, अजय चौधरी,महेश, सैम चौधरी, महेंद्र चौधरी,वीरू चौधरी, मनीष चौधरी,फूलचंद्र,धीरज चौहान, प्रकाश निषाद,अभिषेक चौधरी,सचिन पाण्डेय, राहुल कुमार, उदयभान चौधरी, चंद्रभान, विनोद मौर्य के साथ ही भाजपा के अनेक कार्यकर्ता शामिल रहे।

केरल में कांग्रेस की प्रचंड जीत पर बलरामपुर में जश्न, नेताओं ने दी बधाई

दैनिक बुद्ध का संदेश

बलरामपुर। केरल में कांग्रेस पार्टी की प्रचंड जीत पर जनपद बलरामपुर में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने खुशी जाहिर करते हुए जश्न मनाया। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने एक–दूसरे का मुंह मीठा कराकर अपनी खुशी का इजहार किया। जिला अध्यक्ष शिवलाल कोरी ने इस अवसर पर कहा कि केरल की जनता ने कांग्रेस की नीतियों, विकास कार्यों और लोकतांत्रिक मूल्यों पर विश्वास जताया है। यह जीत पूरे देश के कांग्रेस कार्यकर्ताओं के लिए प्रेरणादायक है। वरिष्ठ कांग्रेस नेता एवं पूर्व विधायक मंगलदेव सिंह ने कहा कि यह जीत जनभावनाओं की जीत है और इससे देश में सकारात्मक राजनीति को बढ़ावा मिलेगा। महासचिव धीरेंद्र प्रताप सिंह धीरू ने कहा कि जनता का यह जनादेश कांग्रेस की नीतियों पर विश्वास का प्रमाण है, जिससे पार्टी को नई मजबूती मिलेगी। पूर्व ब्लॉक प्रमुख राजबहादुर यादव ने कहा कि जनता ने विकास और पारदर्शिता को समर्थन दिया है, जो इस जीत का मुख्य आधार है। पूर्व जिलाध्यक्ष अनुज कुमार सिंह ने कहा कि यह जीत कार्यकर्ताओं की मेहनत और समर्पण का परिणाम है। वरिष्ठ कांग्रेस नेता मारकंडे मिश्र ने कहा कि केरल की जनता ने कांग्रेस की विचारधारा को मजबूती दी है, जिससे पूरे देश में पार्टी को नई दिशा मिलेगी। इस अवसर पर बड़ी संख्या में कांग्रेस पदाधिकारी, कार्यकर्ता एवं समर्थक मौजूद रहे।

मानदेय वृद्धि से खिले चेहरे: बहराइच में शिक्षा मित्रों का सम्मान समारोह सम्पन्न

दैनिक बुद्ध का संदेश

बहराइच। जनपद स्थित उत्थान ऑडिटोरियम, कपूरथला में शिक्षक सम्मान समारोह का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम शिक्षा मित्रों के मानदेय में ध्10,000 से बढ़ाकर ध्18,000 किए जाने के उपलक्ष्य में आयोजित हुआ, जिससे शिक्षा मित्रों में उत्साह देखा गया। समारोह में सरोज सोनकर, राम निवास वर्मा, सुभाष त्रिपाठी, डॉ. प्रज्ञा त्रिपाठी सहित जिलाधिकारी अक्षय त्रिपाठी व अन्य अधिकारी मौजूद रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्ज्वलन से हुआ। इस दौरान 10 शिक्षा मित्रों को प्रतीकात्मक चेक देकर सम्मानित किया गया। वक्ताओं ने शिक्षा मित्रों को शिक्षा व्यवस्था की महत्वपूर्ण कड़ी बताते हुए सरकार के निर्णय की सराहना की।

20 दिवसीय ग्रीष्मकालीन कला कार्यशाला का शुभारंभ

दैनिक बुद्ध का संदेश

बहराइच। राज्य ललित कला अकादमी उत्तर प्रदेश, महाराज सिंह इंटर कॉलेज बहराइच एवं कला निकेतन सोसायटी के संयुक्त तत्वावधान में 20 दिवसीय ग्रीष्मकालीन कला कार्यशाला का शुभारंभ मंगलवार को विद्यालय परिसर में किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन प्रातः 10 बजे प्रधानाचार्य डॉ. श्रीप्रकाश गुप्ता ने दीप प्रज्ज्वलन कर किया। कार्यशाला में जनपद के विभिन्न विद्यालयों से आए छात्र–छात्राओं ने उत्साहपूर्वक प्रतिभाग करते हुए नामांकन कराया। इस दौरान प्रतिभागियों को वेस्ट मटेरियल, क्ले आर्ट, मूर्तिकला तथा व्यक्तित्व विकास जैसे विविध विषयों का प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा। अकादमी द्वारा विद्यालय की कला प्रवक्ता शिवांगी राज को प्रशिक्षक नियुक्त किया गया है, जबकि कला अध्यापक अभिषेक कुमार संयोजक के रूप में कार्यभार संभाल रहे हैं। इस अवसर पर उपप्रधानाचार्य राज कुमार शर्मा, भीमसेन भारती, अमरेश कुमार, अजय प्रताप सिंह सहित अन्य गणमान्य लोगों ने अपने विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम का संचालन डॉ. लतिका सिंह ने किया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में छात्र–छात्राएं एवं शिक्षक उपस्थित रहे, जिससे आयोजन का माहौल उत्साहपूर्ण एवं प्रेरणादायक बना रहा।

गड्ढों में तब्दील सड़क से जनता परेशान, शिकायतों के बावजूद नहीं जागा विभाग

दैनिक बुद्ध का संदेश

बहराइच। जनप्रतिनिधियों की अनदेखी और विभागीय लापरवाही का खामियाजा आम राहगीरों को भुगतना पड़ रहा है। क्षेत्र की मुख्य सड़क बदहाल होकर पूरी तरह गड्ढों में तब्दील हो चुकी है, जिससे आवागमन बेहद कठिन हो गया है। स्थानीय लोगों का कहना है कि कई बार शिकायत करने के बावजूद पीडब्ल्यूडी विभाग कुंभकर्णी नींद में सोया हुआ है और अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई है। ग्रामीणों ने बताया कि सड़क की स्थिति इतनी खराब हो चुकी है कि आए दिन दुर्घटनाएं होने का खतरा बना रहता है। समस्या के समाधान के लिए जिले से लेकर प्रदेश स्तर तक पैरवी की जा चुकी है, लेकिन हालात जस के तस बने हुए हैं। वहीं, सड़क की दुर्दशा के साथ–साथ अतिक्रमण की समस्या भी गंभीर बनी हुई है। इसको लेकर एक समाजसेवी ने आईजीआरएस पोर्टल पर शिकायत दर्ज कराई है। अब देखना होगा कि प्रशासन इस मामले में कब तक संज्ञान लेकर राहत प्रदान करेगा।

मेधावी छात्रओं के सम्मान में प्रतिभा समारोह का भव्य आयोजन

दैनिक बुद्ध का संदेश

बहराइच। तेजवापुर क्षेत्र स्थित श्री पारसनाथ शुक्ल इंटर कॉलेज, बृजेंद्र नगर चेतरा में मेधावी छात्रों के सम्मान में प्रतिभा सम्मान समारोह का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम में हाईस्कूल एवं इंटरमीडिएट के टॉपर्स छात्र–छात्राओं को मेडल पहनाकर सम्मानित किया गया, जिससे विद्यालय परिसर में उत्साह और गर्व का माहौल देखने को मिला। समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में प्रधानाचार्य विजय उपाध्याय, प्रद्युम्न पांडेय एवं उरुज अख्तर उपस्थित रहे। विद्यालय के प्रधानाचार्य बृजेन्द्र शुक्ला एवं अन्य अतिथियों ने संयुक्त रूप से हाईस्कूल और इंटरमीडिएट के शीर्ष 10–10 मेधावी छात्रों को माला व मेडल पहनाकर सम्मानित किया और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। इस अवसर पर प्रधानाचार्य बृजेन्द्र शुक्ला ने छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि सफलता प्राप्त करने के लिए निरंतर मेहनत, अनुशासन और लक्ष्य के प्रति समर्पण अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने विद्यार्थियों को आगे बढ़ने और विद्यालय का नाम रोशन करने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम में शिक्षिका स्वेता तिवारी, दीपक श्रीवास्तव, बी.के. सिंह, प्रभा सिंह, भूपेंद्र तिवारी, अशोक त्रिपाठी, प्रदीप मिश्रा, शम्भू दयाल मिश्र सहित अन्य शिक्षक–शिक्षिकाएं भी उपस्थित रहीं। समारोह के अंत में सभी ने मेधावी छात्रों की उपलब्धियों की सराहना की और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

25 साल से जर्जर सड़क ने बढ़ाई मुश्किलें, हरचंदा लोहारन पूरवा के ग्रामीण परेशान

दैनिक बुद्ध का संदेश

बहराइच। जरवल ब्लॉक अंतर्गत ग्राम पंचायत हरचंदा लोहारन पुरवा का बाईपास मुख्य मार्ग पिछले करीब 25 वर्षों से बदहाल स्थिति में पड़ा हुआ है। लगभग 3 किलोमीटर लंबी यह सड़क पूरी तरह टूट चुकी है, जिससे हजारों ग्रामीणों को रोजाना आवागमन में भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि यह सड़क समाजवादी सरकार के समय बनाई गई थी, लेकिन उसके बाद से अब तक इसकी मरम्मत नहीं कराई गई। सड़क पर बड़े–बड़े गड्ढे, जलभराव और उखड़ी सतह के कारण आए दिन दुर्घटनाओं का खतरा बना रहता है। इसी मार्ग से होकर स्कूली बच्चे शिक्षा के लिए गुजरते हैं, जबकि मरीजों और बुजुर्गों को स्वास्थ्य केंद्र तक पहुंचने में काफी परेशानियों का सामना करना पड़ता है। बरसात के मौसम में हालात और भी खराब हो जाते हैं, जिससे लोगों का घरों से निकलना तक मुश्किल हो जाता है। ग्रामीणों ने बताया कि कुछ वर्ष पूर्व पूर्व जिला पंचायत प्रत्याशी एवं समाजसेवी पप्पू हिंदुस्तानी ने अपने निजी खर्च से सड़क की मरम्मत कराई थी, लेकिन उसके बाद से कोई स्थायी समाधान नहीं किया गया। ग्रामीणों का आरोप है कि जनप्रतिनिधि और प्रशासन केवल आश्वासन देते हैं, जबकि जमीनी स्तर पर समस्या जस की तस बनी हुई है। ग्रामीणों ने प्रशासन और जनप्रतिनिधियों से जल्द से जल्द सड़क का निर्माण कराने की मांग की है, ताकि क्षेत्रवासियों को राहत मिल सके और दुर्घटनाओं पर रोक लगाई जा सके।

सर्राफा व्यापारी लूटकांड का खुलासा,मुठभेड़ में एक बदमाश घायल,दो गिरफ्तार

दैनिक बुद्ध का संदेश

गोन्डा। जनपद के कर्नलगंज क्षेत्र में सर्राफा व्यापारी से असलहा दिखाकर हुई लूट की घटना का पुलिस ने खुलासा करते हुए दो बदमाशों को गिरतार कर लिया है।पुलिस मुठभेड़ के दौरान एक बदमाश के पैर में गोली लगी,जिसे घायल अवस्था में गिरतार किया गया, जबकि तीसरे आरोपी की तलाश जारी है।एसपी विनीत जायसवाल के निर्देश पर थाना कर्नलगंज पुलिस व एसओजी/सर्विलांस टीम की संयुक्त कार्रवाई में यह सफलता मिली। गिरतार बदमाशों की पहचान बृजेश शुक्ला निवासी कौड़िया बेहड़ा चौबे तथा अमर शुक्ला उर्फ नन्के निवासी पिपरी मांझा के रूप में हुई है।पुलिस के अनुसार, 28 अप्रैल 2026 को सदर बाजार निवासी सर्राफा व्यापारी राजन सोनी सुबह करीब 9 बजे अपनी दुकान जा रहे थे।नारायणपुर मांझा क्रॉसिंग के पास खाटू श्याम मंदिर मोड़ के आगे पुलिया पर तीन बाइक सवार बदमाशों ने उन्हें असलहा दिखाकर रोक लिया और बैग में रखे सोने–चांदी के आभूषण व नकदी लूटकर फरार हो गए थे। घटना के बाद पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर पांच टीमों का गठन किया और करीब 75 किलोमीटर के दायरे में 500 से अधिक सीसीटीवी कैमरों की जांच की।तकनीकी व मैनुअल साक्ष्यों के आधार पर आरोपियों की पहचान कर ली गई। पुलिस ने बताया कि नारायणपुर मांझा क्रॉसिंग के पास सोमवार देर रात बदमाशों से मुठभेड़ हुई, जिसमें बृजेश शुक्ला के पैर में गोली लगी।मौके से उसे व उसके साथी अमर शुक्ला को गिरतार कर लिया गया,जबकि एक अन्य आरोपी फरार हो गया।गिरतार आरोपियों के कब्जे से लूटे गए सोने–चांदी के आभूषण,5200 नकद, एक एंड्रॉइड मोबाइल फोन, पीड़ित का बैग (जिसमें आधार कार्ड), बिना नंबर प्लेट की प ल स र मोटरसाइकिल,एक अवैध तमंचा (315 बोर),एक जिंदा कारतूस व एक खोखा कारतूस बरामद किया गया है। पुलिस जांच में यह भी सामने आया है कि दोनों आरोपी रेकी कर लूट की घटनाओं को अंजाम देते थे और कर्नलगंज से पहले बहराइच में भी वारदात कर चुके हैं।बृजेश शुक्ला के खिलाफ पश्चिम बंगाल में भी मुकदमा दर्ज होने की जानकारी मिली है।फिलहाल पुलिस फरार तीसरे बदमाश की तलाश में दबिश दे रही है।

अवैध पैथोलॉजी पर स्वास्थ्य विभाग की बड़ी कार्यवाही

दैनिक बुद्ध का संदेश

बलरामपुर। जनपद बलरामपुर में अवैध रूप से संचालित पैथोलॉजी के विरुद्ध स्वास्थ्य विभाग द्वारा सख्त कार्रवाई लगातार जारी है। इसी क्रम में सादुल्लानगर क्षेत्र स्थित कई पैथोलॉजी सेंटर पर छापेमारी कर उसे सील कर दिया गया। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ0 मुकेश कुमार रस्तोगी के निर्देश पर अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ0 संतोष कुमार श्रीवास्तव एंव राजेश हंस पटल के नेतृत्व में टीम द्वारा यह कार्रवाई की गई। जांच के दौरान पाया गया कि पैथोलॉजी का रजिस्ट्रेशन नही था पर कार्य किया जा रहा था, जबकि उनका नाम आधिकारिक रजिस्ट्रेशन में दर्ज नहीं था। इसके साथ ही पैथोलॉजी पर बिना रजिस्ट्रेशन कार्य किया जा रहा था, जो गंभीर लापरवाही की श्रेणी में आता है। इन अनियमितताओं को देखते हुए टीम ने तत्काल प्रभाव से पैथोलॉजी को सील कर दिया। 1रू अर्पित पैथोलॉजी मददो भठ्ठा संचालक नरेश कुमार वर्मा के सेंटर को सील किया गया , 2 रू राज पैथोलॉजी सादुल्लानगर संचालक उबेदुल्लाह हाशमी सेंटर को सील किया गया, 3 रू कृष्णा पैथोलॉजी सादुल्लानगर संचालक श्री चंद्र शर्मा का सेंटर को सील किया गया एस एस खून जांच/पथकिंड साहदुल्ला नगर को नोटिस दिया गया अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ0 संतोष कुमार श्रीवास्तव ने बताया कि संबंधित मामले में विधिक कार्रवाई की जा रही है। उन्होंने स्पष्ट किया कि जनपद में बिना पंजीकरण या नियमों के विरुद्ध संचालित किसी भी चिकित्सालय या पैथोलॉजी सेंटर को किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ0 मुकेश कुमार रस्तोगी ने सभी संचालकों को निर्देशित किया है कि वे शासन द्वारा निर्धारित मानकों एवं नियमों का पूर्णतः पालन करें। नियमों का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई जारी रहे

बलरामपुर में अवैध क्लीनिक पर कार्रवाई, खान क्लीनिक सील

दैनिक बुद्ध का संदेश

बलरामपुर। जनपद बलरामपुर के तुलसीपुर तहसील क्षेत्र में प्रशासन ने अवैध रूप से संचालित एक क्लीनिक पर सख्त कार्रवाई करते हुए उसे सील कर दिया। भवनियापुर रेहरा बंधा स्थित खान क्लीनिक पर स्वास्थ्य विभाग की टीम ने छापेमारी कर यह कार्रवाई की। कार्रवाई के दौरान क्लीनिक में भर्ती मरीजों को एम्बुलेंस की मदद से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में शिट कराया गया। क्लीनिक संचालक जमीर अहमद खान के खिलाफ विधिक कार्रवाई भी शुरू कर दी गई है। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. मुकेश कुमार रस्तोगी के निर्देश पर अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. संतोष कुमार श्रीवास्तव और राजेश हंस के नेतृत्व में टीम ने जांच की। जांच में पाया गया कि क्लीनिक बिना पंजीकरण के संचालित हो रहा था और आधिकारिक रिकॉर्ड में इसका नाम दर्ज नहीं था। इस गंभीर लापरवाही को देखते हुए टीम ने तत्काल प्रभाव से क्लीनिक को सील कर दिया। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि बिना रजिस्ट्रेशन या नियमों के विरुद्ध संचालित किसी भी क्लीनिक या पैथोलॉजी सेंटर को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। सीएमओ डॉ. रस्तोगी ने सभी संचालकों को निर्देश दिया है कि वे शासन के नियमों का पालन करें, अन्यथा सख्त कार्रवाई की जाएगी।

सड़क हादसे में घायल अधिवक्ता की मौत,शोक की लहर

दैनिक बुद्ध का संदेश

गोन्डा। जनपद के करनैलगंज क्षेत्र में बीते दिन एक दर्दनाक सड़क हादसे में अधिवक्ता पंकज सिंह की मौत हो गई।तेज रतार टेंपो की टक्कर से गंभीर रूप से घायल हुए अधिवक्ता को इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया, लेकिन चिकित्सकों के प्रयासों के बावजूद उनकी जान नहीं बचाई जा सकी।प्राप्त जानकारी के अनुसार, ककरहा (बलमत्थर) निवासी अधिवक्ता पंकज सिंह बीते दिन तहसील से अपने घर लौट रहे थे। इसी दौरान पाण्डेचौरा गांव के पास तेज रतार टेंपो ने उनकी बाइक में जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में वह गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना के बाद स्थानीय लोगों ने तत्परता दिखाते हुए उन्हें तत्काल नजदीकी निजी अस्पताल पहुंचाया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद डॉक्टरों ने उनकी गंभीर हालत को देखते हुए लखनऊ रेफर कर दिया। परिजनों ने हालत बिगड़ने पर उन्हें सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। अधिवक्ता पंकज सिंह के आकस्मिक निधन से परिवार में कोहराम मच गया। घटना की सूचना मिलते ही बड़ी संख्या में परिजन, शुभचिंतक और अधिवक्ता साथी अस्पताल पहुंच गए। उनके निधन की खबर से कर्नलगंज तहसील परिसर में शोक की लहर दौड़ गई। अधिवक्ताओं व तहसील कर्मचारियों ने गहरा दुःख व्यक्त करते हुए इसे अपूर्णीय क्षति बताया है। साथ ही प्रशासन से हादसे के जिम्मेदार वाहन चालक के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है।

बस्ती के स्थापना दिवस पर दिवसीय वशिष्ठ महोत्सव का शानदार आगाज

दैनिक बुद्ध का संदेश

बस्ती। मंगलवार को तीन दिवसीय वशिष्ठ महोत्सव का शानदार आगाज हुआ। राज्य स्तरीय बालक बालिका खो खो, हैंडबॉल, कबड्डी के खिलाड़ियों ने जीतने के लिए पूरे जोश के साथ खूब पसीना बहाया। अमर बलिदानी सत्यवान सिंह स्पोर्ट्स स्टेडियम में आयोजित वशिष्ठ महोत्सव का उद्घाटन करते हुए उत्तर प्रदेश गो सेवा आयोग के उपाध्यक्ष महेश शुक्ल ने कहा कि वशिष्ठ महोत्सव मनाया जाना गौरव की बात है। इन्होंने आयोजक राना दिनेश प्रताप सिंह की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे आयोजन से युवाओं को अपनी प्रतिभा निखारने का अवसर मिलता है। कार्यकम संयोजक राना दिनेश प्रताप सिंह ने अतिथियों और खिलाड़ियों का स्वागत करते हुए बताया कि प्रदेश के 51 जनपदों से 80 टीमें राज्य खो खो प्रतियोगिता में हिस्सा ले रही हैं। बस्ती जनपद के हैंडबॉल, वालीबाल और कबड्डी से 35 टीमें प्रतिभाग कर रही हैं। उद्घाटन मैच में खो खो बालिका वर्ग में वाराणसी और श्रावस्ती के बीच खेला गया जिसमें वाराणसी 08 – 01 से विजेता रही। इसी संवर्ग में दूसरा मैच गोरखपुर ने देवरिया को 05 ऋ 04 से हराकर विजेता बनी। बालक संवर्ग में पहला मैच जौनपुर और अमरोहा के बीच खेला गया जो रोमांचक मुकाबले में टाई घोषित किया गया। कबड्डी प्रतियोगिता के बालक संवर्ग में कप्तानगंज की टीम ने बी आर एस एकेडमी गढ़ा गौतम को 20ऋ 18 के मुकाबले कराकर जीत दर्ज किया। बालिक संवर्ग के दूसरे मैच में बस्ती टाइगर ने कोटवा भरतपुर को हराकर 09– 07 से जीत दर्ज किया। बालिका संवर्ग में बी आर एस एकेडमी ने कप्तानगंज को 18 ,15 से हराकर विजेता बनी। बालिका संवर्ग में हैंडबॉल प्रतियोगिता के पहले मैच में स्टेडियम की टीम ने कड़े मुकाबले में बेगम खैर की टीम को 05, 04 से हराया। इसके पूर्व मुख्य अतिथि महेश शुक्ल ने महर्षि वशिष्ठ के चित्र पर माल्यार्पण कर नमन किया और द्वीप प्रज्वलित समारोह का विधिवत उद्घाटन किया। बेगम खैर की बालिकाओं ने स्वागत गीत प्रस्तुत कर सभी का मन मोह लिया। बी आर एस एकेडमी गढ़हा गौतम की बालिकाओं ने द्वीप योगा, ग्रुप योगासन और रिंग डांस प्रस्तुत कर लोगों को तालियां बजाने पर मजबूर कर दिया। हाजी मुहम्मद अमीन इण्टर कॉलेज हरैया के विद्यार्थियों ने बैड के साथ मार्च पास्ट कर उत्ट प्रदर्शन किया । इस अवसर पर प्रभाकर ओझा, राम सिंह, विवेक श्रीवास्तव, रमेश चंद्र गुप्ता, रणधीर सिंह, मयंक श्रीवास्तव, मास्टर शिव, विजय श्रीवास्तव, चंद्र मणि श्रीवास्तव, कैलाश मोहन श्रीवास्तव, मेजर चंद्र शेखर शुक्ल सहित बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे।

रामजानकी मंदिर में सामूहिक हनुमान चालीसा पाठ, प्रसाद वितरण

दैनिक बुद्ध का संदेश

शोहरतगढ़, सिद्धार्थनगर। ज्येष्ठ माह के प्रथम मंगलवार के अवसर पर स्थानीय रामजानकी मंदिर परिसर में भक्ति और आस्था का अद्भुत संगम देखने को मिला। मंदिर कमेटी की अगुवाई में भव्य पूजन–अर्चन कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें क्षेत्र के श्रद्धालुओं ने बढ़–चढ़कर भाग लिया। सुबह से ही मंदिर परिसर में भक्तों की भीड़ उमड़ पड़ी और पूरा वातावरण भजन–कीर्तन एवं जयकारों से गूंज उठा।पूजन कार्यक्रम के दौरान विधि–विधान से भगवान श्रीराम दरबार, श्रीराधा–.ष्ण, हनुमान जी महाराज, शनिदेव तथा भगवान शिव सहित विभिन्न देवी–देवताओं की आराधना की गई। पुजारियों द्वारा मंत्रोच्चारण के साथ विशेष पूजा संपन्न कराई गई, साथ ही पप्पू लक्खा द्वारा सामूहिक हनुमान चालीसा पाठ कराया गया, जिससे पूरा वातावरण भक्तिमय हो गया। पूजन–अर्चन के पश्चात मंदिर कमेटी द्वारा श्रद्धालुओं के बीच प्रसाद वितरण किया गया। प्रसाद ग्रहण करने के लिए श्रद्धालुओं की लंबी कतारें लगी रहीं। कमेटी के सदस्यों ने व्यवस्था को सुचारु बनाए रखते हुए सभी को व्यवस्थित ढंग से प्रसाद वितरित किया। मंदिर कमेटी के पदाधिकारियों ने बताया कि हर वर्ष की भांति इस बार भी कार्यक्रम को श्रद्धा और उत्साह के साथ आयोजित किया गया। महामंत्री मनोज कुमार गुप्ता ने जानकारी दी कि ज्येष्ठ माह के सभी मंगलवार को मंदिर परिसर में इसी प्रकार पूजन–अर्चन के साथ प्रसाद वितरण किया जाएगा। उन्होंने श्रद्धालुओं से अधिक से अधिक संख्या में शामिल होकर धर्म लाभ लेने की अपील की।कार्यक्रम के दौरान मंदिर कमेटी के अध्यक्ष नंदू गौड़, शिवपूजन वर्मा (भोलेनाथ), रामसेवक गुप्ता, सतीश मित्तल, महामंत्री मनोज कुमार गुप्ता, शैलेन्द्र कौशल, दिलीप वर्मा, त्रिलोकी नाथ पाण्डेय, संतोष पोद्दार, महावीर वर्मा, राम मिलन चौधरी, राजेश अग्रहरि, राजू गोस्वामी, मुकेश पोद्दार, महेश कसौधन, श्रवण पटवा, रिंकू चौधरी, सर्वेश खेतान, बबलू गौड़, राजेन्द्र कांदू, रिंकू वर्मा, अधिवक्ता दद्दू तिवारी, प्रगति पाण्डेय, मनोज तिवारी, श्रीराम पटवा, चन्द्र प्रकाश, रंजीत मित्तल, विक्रांत सिंह, राधेश्याम गुप्ता, गोलू पासवान, जगदीश कौशल सहित अन्य लोग मौजूद रहे। सुरक्षा व्यवस्था के मद्देनजर हे.का. प्रभाकर यादव व हे.का. दिनेश यादव आदि पुलिसकर्मी तैनात रहे।

विद्युतीकरण कार्यों में लापरवाही न करें, डीएम ने अधिकारियों को दी हिदायत

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। जिलाधिकारी चर्चित गौड़ ने मंगलवार को विद्युत विभाग के अधिकारियों के साथ मेडिकल कॉलेज में स्थापित व्यवस्था एवं जनपद में विद्युत आपूर्ति की स्थिति की समीक्षा की गई। इस दौरान मेडिकल कॉलेज के प्रिंसिपल श्री आनंद कुमार ने अवगत कराया कि वर्तमान में विद्युत आपूर्ति सुचारू रूप से संचालित हो रही है तथा किसी प्रकार की समस्या नहीं है। बैठक के दौरान जिलाधिकारी ने जनपद के अविद्युती.त मजरों के विद्युतीकरण कार्यों की भी गहन समीक्षा की। अधिशासी अभियंता द्वारा अवगत कराया गया कि वर्तमान में न्भ्भ् योजना के अंतर्गत कुल 97 मजरों के विद्युतीकरण का कार्य मे0 विश्व समृद्ध इंजीनियरिंग प्राइवेट लिमिटेड द्वारा किया जा रहा है, जिनमें से 40 मजरों का कार्य पूर्ण हो चुका है। शेष कार्यों में प्रगति लाने के निर्देश देते हुए जिलाधिकारी ने संबंधित कार्यदायी संस्था को एक माह के भीतर सभी कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए। इसके अतिरिक्त अधिशासी अभियंता विद्युत वितरण खंड राबर्ट्सगंज द्वारा जानकारी दी गई कि उक्त मजरों के अतिरिक्त जनपद में कुल 834 अविद्युती.त मजरे चिन्हित किए गए हैं, जिनके विद्युतीकरण की प्रक्रिया प्रगति पर है। जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि विद्युत आपूर्ति एवं विद्युतीकरण कार्यों में किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी। सभी कार्य गुणवत्ता एवं समयबद्ध तरीके से पूर्ण कर जनपदवासियों को निर्बाध विद्युत सुविधा उपलब्ध कराई जाए।

जिलाधिकारी ने पटवध–बसुआरी प्रमुख जिला मार्ग घाघर नदी पर बन रहे सेतु का किया औचक निरीक्षण

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। जिलाधिकारी चर्चित गौड़ ने मंगलवार को पटवध–बसुआरी

प्रमुख जिला मार्ग पर घाघर नदी पर निर्माणाधीन सेतु का औचक निरीक्षण कर कार्य की प्रगति एवं गुणवत्ता का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने कहा कि सेतु निर्माण में किसी भी प्रकार की लापरवाही या घटिया सामग्री का प्रयोग कदापि स्वीकार नहीं किया जाएगा। जिलाधिकारी ने संबंधित कार्यदायी संस्था एवं अभियंताओं को निर्देशित करते हुए कहा कि निर्माण कार्य पूर्णत मानक के अनुरूप एवं समयबद्ध ढंग से कराया जाए। उन्होंने विशेष रूप से जोर देते हुए कहा कि निर्माण की गुणवत्ता सुनिश्चित करने हेतु थर्ड पार्टी से अनिवार्य रूप से जांच कराई जाए, ताकि कार्य की पारदर्शिता एवं विश्वसनीयता बनी रहे। निरीक्षण के दौरान उन्होनें सम्बन्धित कार्यदायी संस्था को निर्देशित किया कि यदि गुणवत्ता में किसी प्रकार की कमी पाई जाती है तो संबंधित अधिकारियों एवं कार्यदायी संस्था के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की जाएगी। जिलाधिकारी ने यह भी कहा कि सेतु निर्माण कार्य जनहित से जुड़ा अत्यंत महत्वपूर्ण कार्य है, इसमें किसी प्रकार की ढिलाई या उदासीनता क्षम्य नहीं की जाएगी। जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को नियमित रूप से स्थलीय निरीक्षण कर प्रगति की समीक्षा करने तथा निर्धारित समयसीमा के भीतर गुणवत्तापूर्ण निर्माण कार्य पूर्ण कराने के निर्देश दिए। अपर जिलाधिकारी नमामि गंगे श्री रोहित यादव, अधिशासी अभियन्ता जल निगम, जिला अर्थ एंव संख्या अधिकारी संतपाल वर्मा, अपर जिला अर्थ संख्या अधिकारी श्री जय सिंह सहित सम्बन्धित अधिकारीगण उपस्थित रहे।

शिक्षा मित्रो के बढ़े हुए मानदेय पर सम्मान समारोह आयोजित

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। जनपद सोनभद्र कलेक्ट्रेट सभागार मे शिक्षामित्रों का सम्मान समारोह एवं बढ़े हुए मानदेय वितरण का शुभआरम्भ कार्यक्रम आयोजित किया गया। उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा प्रदेश के सभी शिक्षा मित्रो का मानदेय दस हजार से बढाकर 18 हजार प्रतिमाह किया गया है, उक्त अवसर पर जनपद के समस्त कार्यरत शिक्षा मित्रो को मानदेय वृद्धि की शुभकामना देने हेतु उनके सम्मान का कार्यक्रम जिला प्रशासन द्वारा आयोजित किया गया. उक्त कार्यक्रम के मुख्य अतिथि समाज कल्याण राज्य मंत्री श्री संजीव कुमार गौड़ जी रहे, इस दौरान उन्होने कहा कि सरकार ने सदैव स्कूली शिक्षा की मजबूती के लिए प्रयास किया है तथा इसी क्रम मे अपने कार्यरत सभी शिक्षकों को पांच लाख रूपये का मुत स्वास्थ्य बीमा उपलब्ध कराया जा रहा है. साथ ही इसी अनुक्रम मे शिक्षामित्र बन्धुओ का मानदेय बढ़ाया गया है. समाज की मुख्य धारा से जोड़ने के लिए अंतिम पायदान के समस्त बच्चों को निःशुल्क शिक्षा उपलब्ध कराने की राह मे हमारे शिक्षा मित्र अनुदेशक साथियो का बहुत बड़ा योगदान रहा है। इस अवसर पर वक्ताओं के क्रम मे सदर विधायक भूपेश चौबे ने जनपद के सभी शिक्षा मित्रो को सादर शुभकामनायें दीं। विधान सभा घोरावल के विधायक डॉक्टर अनिल कुमार मौर्य ने कार्यक्रम मे उपस्थित सभी शिक्षा मित्रो को मानदेय वृद्धि के लिए सरकार की इस योजना की सराहना की। इस अवसर पर सदर विधायक भूपेष चौबे ने कहा कि शिक्षक समाज का दर्पण होता है और शिक्षा मित्र शिक्षा व्यवस्था की मजबूत कड़ी है। इस अवसर पर जिलाधिकारी चर्चित गौड़ ने कहा प्रदेश सरकार द्वारा विद्यालयो में स्मार्ट क्लाश विद्यालयों के सुन्दरीकरण और शिक्षा मित्रों के मानदेय में वृद्धि जैसे उल्लेखनिय कदम उठाये गये है और शिक्षा व्यवस्था की गुणवत्ता में उल्लेखनिय सुधार हुआ है। इस दौरान पांच उत्.ष्ट शिक्षा मित्रो का सम्मान करते हुए उन्हें प्रतीकात्मक रूप से बढ़े हुए मानदेय का चेक प्रदान किया गया। अन्त मे सभी अतिथियों एवं जनपद अधिकारियो द्वारा बेसिक शिक्षा विभाग द्वारा लगाए गए विभिन्न शिक्षक अधिगम सामग्री ज्स्ड स्टाल का अवलोकन करते हुए उनके कार्यों की सराहना की गयी। इस कार्यक्रम मे जनपद सोनभद्र के मुख्य विकास अधिकारी, जिला विद्यालय निरीक्षक , बेसिक शिक्षा अधिकारी समेत शिक्षक शिक्षा मित्र एवं शिक्षक संगठनों के पदाधिकारी उपस्थित रहे।

डीएम का सख्त निर्देशः पेयजल व्यवस्था में ढिलाई बर्दाश्त नहीं

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। जिलाधिकारी चर्चित गौड़ ने मंगलवार को पटवध पेयजल समूह योजना का औचक निरीक्षण कर संबंधित अधिकारियों की कार्यप्रणाली पर कड़ी नाराजगी व्यक्त की। निरीक्षण के दौरान उन्होंने कहा कि जनपद में पेयजल आपूर्ति से किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने अधिशासी अभियंता, जल निगम तथा अपर जिलाधिकारी, नमामि गंगे को निर्देशित करते हुए कहा कि दोनों अधिकारी प्रतिदिन कम से कम 25 ग्रामों का भ्रमण कर स्थल पर पेयजल आपूर्ति की स्थिति का सत्यापन करें तथा इसकी दैनिक रिपोर्ट अनिवार्य रूप से प्रस्तुत करें। जिलाधिकारी निर्देश दिए कि योजना के अंतर्गत प्रतिदिन 40 से 45 एम0एल0डी0 जलापूर्ति हर हाल में सुनिश्चित की जाए और इसकी नियमित मॉनिटरिंग की जाए। उन्होंने कहा कि पटवध पेयजल समूह योजना के अंतर्गत ग्रामों में निर्बाध पेयजल आपूर्ति कराना शासन की प्राथमिकता है, जिसमें किसी भी स्तर पर शिथिलता अत्यंत गंभीर मानी जाएगी। उन्होंने संबंधित कार्यदायी संस्था के डी0सी0एम0/जी0एम0 को निर्देशित किया कि वे प्रतिदिन उपस्थित रहकर जलापूर्ति की समीक्षा करें और जमीनी स्तर पर व्यवस्था को सु.ढ़ बनाए रखें। जिलाधिकारी ने चेतावनी देते हुए कहा कि यदि निरीक्षण अथवा मॉनिटरिंग में किसी प्रकार की लापरवाही या उदासीनता पाई जाती है तो संबंधित अधिकारी व एजेन्सी के विरुद्ध कड़ी कार्यवाही सुनिश्चित कराते हुए शासन को पत्राचार किया जायेगा। अपर जिलाधिकारी नमामि गंगें श्री रोहित यादव, अधिशासी अभियन्ता जल निगम, जिला अर्थ एंव संख्या अधिकारी संतपाल वर्मा, अपर जिला अर्थ संख्या अधिकारी श्री जय सिंह सहित सम्बन्धित अधिकारीगण उपस्थित रहे।

जिलाधिकारी की पहल, दिव्यांग को तत्काल ट्राईसाइकिल और योजनाओं का लाभ

दैनिक बुद्ध का संदेश

गोन्डा। जनपद के कलेक्ट्रेट परिसर में आयोजित जनता दर्शन कार्यक्रम के दौरान संवेदनशील एवं सराहनीय पहल देखने को मिली।जनसुनवाई के क्रम में दिव्यांग शिकायतकर्ता शिव प्रकाश पुत्र राम सवारे,निवासी ग्राम नदौर बलकरपुरवा, तहसील करनैलगंज, अपनी समस्या को लेकर उपस्थित हुए। उनकी स्थिति को देखते हुए जिलाधिकारी श्रीमती प्रियंका निरंजन ने मानवीय संवेदनशीलता का परिचय देते हुए अपने कार्यालय कक्ष से बाहर आकर उनकी बातों को गंभीरता एवं भावपूर्ण ढंग से सुना।शिव प्रकाश ने अपनी दैनिक जीवन की कठिनाइयों को साझा करते हुए आवागमन में आ रही समस्याओं से अवगत कराया।डीएम ने तत्काल मामले की गंभीरता को समझते हुए संबंधित विभाग के अधिकारियों से मौके पर ही वार्ता की और आवश्यक निर्देश दिए। उनकी तत्परता और सकारात्मक पहल के परिणामस्वरूप कलेक्ट्रेट परिसर में ही दिव्यांगजन को ट्राईसाइकिल उपलब्ध कराई गई।उपरोक्त व्यक्ति को दिव्यांग पेंशन व अन्य योजनाओं का लाभ शीघ्रातिशीघ्र दिलाने के निर्देश दिये हैं ।इस अवसर पर उपस्थित लोगों ने डीएम की इस संवेदनशीलता एवं त्वरित कार्यवाही की सराहना की। यह पहल न केवल प्रशासन की जवाबदेही को दर्शाती है, बल्कि समाज के कमजोर वर्गों के प्रति सहानुभूति और सहयोग की भावना को भी मजबूत करती है।जिलाधिकारी ने कहा कि शासन की प्राथमिकता है कि हर जरूरतमंद व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ समय पर पहुंचे।उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि दिव्यांगजन एवं अन्य पात्र लाभार्थियों की समस्याओं का प्राथमिकता के आधार पर समाधान सुनिश्चित किया जाए।

संदिग्ध परिस्थितियों में महिला ने अपने दो बच्चों सहित फांसी लगाकर दी जान

दैनिक बुद्ध का संदेश

करमा/सोनभद्र। स्थानीय थाना क्षेत्र के बिषहार गांव में संदिग्ध परिस्थितियों में प्रीति राजभर अपने दो बच्चों के साथ आर्यांस और आर्यन सहित फांसी के फंदे पर लटक कर जान दे दी। प्राप्त जानकारी के अनुसार स्थानी थाना क्षेत्र के ग्राम बिषहार में बीती रात पति पत्नी में खाना खाने के आपसी विवाद मे प्रीति राजभर 25 वर्ष पत्नी राजन राजभर ने अपने दो पुत्र आर्यन 4 वर्ष व आर्यांस छ माह के साथ लायलान की रस्सी से फांसी लगाकर अपने कमरे में जान दे दी।दरवाजा समय से न खुलने पर परिवार के अन्य लोगों ने शोर मचाने लगे।शोर सुन गांव के लोग एकत्रित हो गए।प्रधान ने पी आर वी 112 पर व थाने पर सूचना दी सूचना मिलते ही पुलिस घटनास्थल पर पहुंच कर शव को कब्जे में लेकर पंचायत नामा भरकर पोस्टमार्टम हाउस भेज दिया। थाना प्रभारी सूर्यभान ने बताया कि खाना खाने के लिए कुछ विवाद हुआ था पति–पत्नी में जिसके कारण वह नाराज होकर अपने दो बच्चों सहित फांसी लगाकर अपने घर में के अंदर जान दे दी शवों को कब्जे में लेकर पंचायत नामा भरकर जिला अस्पताल भेजा गया है ला ऑर्डर की कोई समस्या नहीं है।

स्वगणना अभियान को सफल बनाने हेतु जिलाधिकारी की सख्त निर्देशों के साथ बैठक

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। जनपद में प्रस्तावित स्वगणना अभियान को सफल, पारदर्शी एवं प्रभावी ढंग से संचालित करने के उद्देश्य से जिलाधिकारी चर्चित गौड़ की अध्यक्षता में मंगलवार को कलेक्ट्रेट स्थित जनसुनवाई कक्ष में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में एनटीपीसी रिहन्द, एनसीएल ककरी, अल्ट्राटेक, हिण्डालको एवं ग्रासिम इंडस्ट्रीज सहित जनपद में संचालित अन्य औद्योगिक प्रतिष्ठानों के प्रतिनिधियों के साथ–साथ नगर पालिका एवं नगर पंचायतों के अधिशासी अधिकारी उपस्थित रहे। बैठक के दौरान जिलाधिकारी ने स्पष्ट निर्देश दिए कि सभी औद्योगिक इकाइयों के आवासीय परिसरों में निवासरत परिवारों के मुखिया अपने–अपने मोबाइल नंबर के माध्यम से स्वगणना प्रक्रिया को स्वयं पूर्ण करें। उन्होंने कहा कि स्वगणना अभियान 7 मई से प्रारंभ होकर 21 मई तक संचालित किया जाएगा, जिसके लिए व्यापक स्तर पर तैयारियां सुनिश्चित की जाएं। जिलाधिकारी ने निर्देशित किया कि जनपद के समस्त डिग्री कॉलेजों एवं इंटरमीडिएट शिक्षण संस्थानों के छात्र–छात्राओं को स्वगणना की विधि का प्रशिक्षण एवं आवश्यक जानकारी प्रदान की जाए, ताकि वे अपने परिवार, मोहल्ले एवं गांव के लोगों को इस प्रक्रिया में सहयोग कर सकें। इसके अतिरिक्त आशा, एएनएम, आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों, प्राथमिक विद्यालयों के शिक्षकों, रोजगार सेवकों, पंचायत सहायकों एवं स्वयं सहायता समूह की सखियों को भी इस अभियान से जोड़ते हुए उनकी सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित की जाए। उन्होंने निर्देश दिए कि जनपद के डिग्री कॉलेजों, आईटीआई संस्थानों तथा राजकीय वित्तपोषित एवं वित्तविहीन विद्यालयों में विशेष जागरूकता अभियान चलाया जाए। पोस्टर, बैनर, सोशल मीडिया, प्रचार वाहन एवं अन्य माध्यमों से व्यापक प्रचार–प्रसार कर आमजन को स्वगणना के प्रति जागरूक एवं प्रेरित किया जाए। जिलाधिकारी ने कहा कि स्वगणना एक महत्वपूर्ण राष्ट्रीय दायित्व है, जिसमें प्रत्येक नागरिक की सहभागिता आवश्यक है। यह न केवल सटीक आंकड़े उपलब्ध कराने में सहायक होगा, बल्कि भविष्य की योजनाओं के बेहतर क्रियान्वयन में भी उपयोगी सिद्ध होगा। उन्होंने सभी संबंधित विभागों एवं संस्थाओं को आपसी समन्वय के साथ कार्य करने के निर्देश दिए। बैठक में अपर जिलाधिकारी (वि0/रा0) वागीश कुमार शुक्ला, जनगणना अधिकारी प्रियांशा सिंह, जनगणना सहायक अनिल कुमार श्रीवास्तव सहित अन्य संबंधित अधिकारी एवं प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

नवागत सीओ का हुआ स्वागत, सुरक्षा व्यवस्था पर हुई चर्चा

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनौली/महराजगंज। उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार मंडल की सोनौली एवं नौतनवा इकाई के पदाधिकारियों ने नवागत पुलिस क्षेत्राधिकारी (सीओ) बसन्त सिंह से शिष्टाचार भेंट कर उनका गर्मजोशी से स्वागत किया। इस अवसर पर व्यापार मंडल के प्रतिनिधियों ने पुष्पगुच्छ भेंट कर उन्हें सम्मानित करते हुए उनके सफल कार्यकाल की कामना की। कार्यक्रम में नगर अध्यक्ष संतोष अग्रहरी, बबलू सिंह, सपा नेता बैजु यादव सहित अन्य पदाधिकारी मौजूद रहे। सभी ने मिलकर क्षेत्रीय समस्याओं और व्यापारियों से जुड़े मुद्दों को प्रमुखता से उठाया। भेंट के दौरान व्यापारियों ने क्षेत्र में हाल के दिनों में हुई घटनाओं का जिक्र करते हुए सुरक्षा व्यवस्था को और अधिक मजबूत बनाने की मांग की। उन्होंने कहा कि सोनौली जैसे संवेदनशील और अंतरराष्ट्रीय सीमा से जुड़े क्षेत्र में कानून व्यवस्था चुस्त–दुरुस्त रहना बेहद जरूरी है, ताकि व्यापार और आम जनजीवन सुचारु रूप से चलता रहे। इस पर सीओ बसन्त सिंह ने व्यापारियों को भरोसा दिलाया कि क्षेत्र में शांति, सुरक्षा और कानून व्यवस्था बनाए रखना उनकी पहली प्राथमिकता है। उन्होंने आश्वासन दिया कि किसी भी समस्या या शिकायत पर त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। व्यापार मंडल के पदाधिकारियों ने विश्वास जताया कि सीओ बसन्त सिंह के नेतृत्व में क्षेत्र की सुरक्षा व्यवस्था और अधिक सु.ढ़ होगी तथा व्यापारियों और आम जनता को सुरक्षित व बेहतर माहौल मिलेगा। इस मौके पर दिनेश बर्मा, रमेश जायसवाल, संत जायसवाल, किशोर मद्देशिया, बिजेंद्र जायसवाल और सचिन जायसवाल सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रकः– श्रीमती पुष्पा शर्मा द्वारा बुद्धा प्रिन्टर्स , ज्योति नगर मधुकरपुर, निकट–हीरो होण्डा एजेन्सी, जनपद–सिद्धार्थनगर (उ0प्र0) 272207 से मुद्रित एवं प्रकाशित। सम्पादक– राजेश कुमार शर्मा
आर.एन.आई. नं.–UPHIN/2012/49458 9415163471, 9453824459 दैनिक बुद्ध का संदेश 9795951917,9415163471 @budhakasandesh budhakasandeshnews@gmail.com www.budhakasandesh.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी.एक्ट. के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन समस्त विवाद जनपद–सिद्धार्थनगर न्यायालय के अधीन ही मान्य होगा।

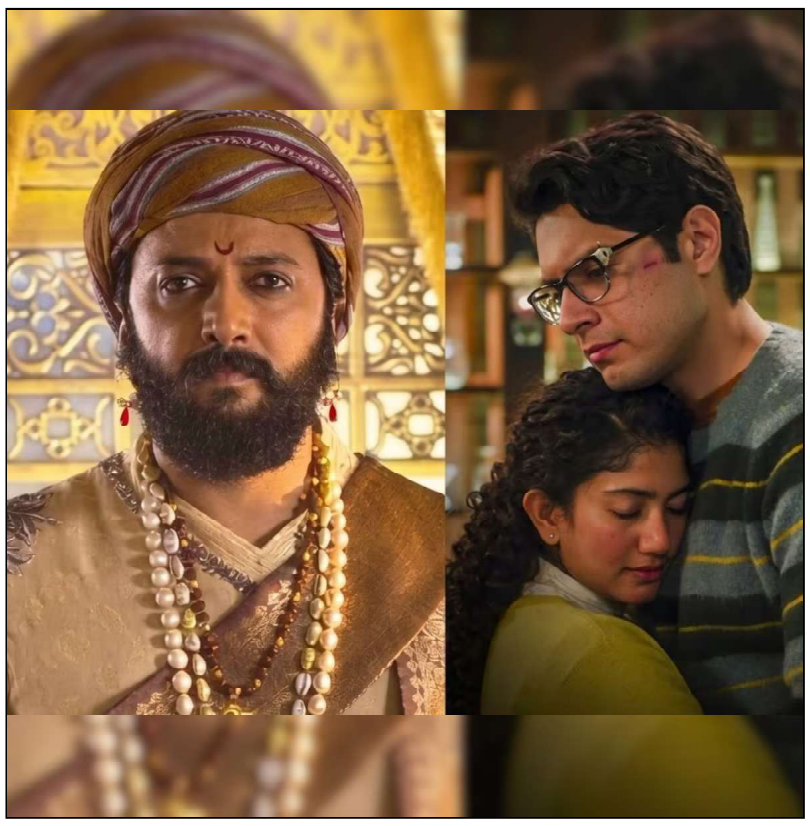

राजा शिवाजी ने तीसरे दिन काटा गदर, तूफानी कमाई के आगे न टिक पाईं ये फिल्में, एक दिन सिमटने की कगार पर

रितेश देशमुख की मच अवेटेड फिल्म श्राजा शिवाजीश इस 1 मई को सिनेमाघरों में मराठी और हिंदी भाषा में रिलीज हुई थी. इस फिल्म में रितेश ने न केवल लीड रोल प्ले किया बल्कि इसे निर्देशित भी किया है. संजय दत्त, अभिषेक बच्चन, महेश मांजरेकर, सचिन खेडेकर, भाग्यश्री और जेनेलिया डिसूजा जैसे दमदार कलाकारों से सजी यह फिल्म भव्यता और स्टार पावर का बेहतरीन मिश्रण है. इस फिल्म में सुपरस्टार सलमान खान का कैमियो भी काफी इम्प्रेसिव है.

इन्हीं सब कारणों से दर्शक इस फिल्म को देखने के लिए सिनेमाघरों में खींचे चले आ रहे हैं. हालांकि शानदार ओपनिंग के बाद दूसरे दिन यानी शनिवार को इसकी कमाई में मामूली गिरावट दर्ज की गई लेकिन तीसरे दिन यानी रविवार की छुट्टी का इसे फायदा मिला है. जानते हैं श्राजा शिवाजीश ने रिलीज के तीसरे दिन यानी संडे को कितना कलेक्शन किया है?

श्राजा शिवाजीश सिनेमाघरों में मौजूद तमाम नई और कुछ हफ्तों पुरानी फिल्मों के बीच दर्शकों की पहली पसंद बन गई है. इस फिल्म का रिलीज से पहले ही काफी बज क्रिएट हो गया था और सिनेमाघरों में दस्तक देने के बाद इसे क्रिटिक्स और दर्शकों से शानदार रिव्यू मिला और इसी के साथ इसने पहले दिन 11.35 करोड़ का कलेक्शन कर डाला. वहीं दूसरे दिन यानी शनिवार को इस फिल्म ने 10.55 करोड़ की कमाई की.

वहीं सैकनिल्क की अर्ली ट्रेंड रिपोर्ट के मुताबिक इस फिल्म ने रिलीज के तीसरे दिन यानी रविवार को 12 करोड़ कमाए हैं. इसी के साथ श्राजा शिवाजीश की तीन दिनों की कुल कमाई अब 33.90 करोड़ रुपये हो गई है.

राजा शिवाजीश ने भारत में रिलीज के तीन दिनों में कुल 33 करोड़ से ज्यादा कलेक्शन कर लिया है और ये पहले ही मुक्ता बर्वे और नम्रता सांभराव की फिल्म नाच गा घुमा (23.55 करोड़) के घरेलू लाइफटाइम कलेक्शन को पीछे छोड़ चुकी है. वहीं अब इसने फिल्म क्रांतिज्योति विद्यालय मराठी मध्यम (28 करोड़), टाइमपास (30 करोड़) और ठाकरे (31.6 करोड़) और को पछाड़कर भारत में ऑल टाइम टॉप 10 सबसे ज्यादा कमाई करने वाली मराठी फिल्मों की लिस्ट में 7वें नंबर पर पहुंच गई है. सिर्फ तीन दिनों में यह मराठी भाषा की फिल्मों के लिए एक ऐतिहासिक उपलब्धि है।

साई और जुनैद की फिल्म एक दिन 3 दिनों में लड़खड़ाने लगी है। फिल्म ने 1.15 करोड़ रुपये से ओपनिंग की थी, जिसके बाद दूसरे दिन 1 करोड़ और तीसरे दिन 1.70 करोड़ रुपये का कारोबार हुआ है। आमिर खान प्रोडक्शन द्वारा निर्मित यह फिल्म 3 दिनों में सिर्फ 3.85 करोड़ रुपये कमा सकी है। उधर अक्षय कुमार की भूत बंगला ने 17वें दिन, यानी रविवार को 5.50 करोड़ कमाते हुए 1,42.50 करोड़ रुपये का नेट कारोबार कर लिया है।

धुरंधर 2 ने बाहुबली 2 को चटाई धूल, 1,788 करोड़ कमाकर बॉक्स ऑफिस पर किया राज, बनी दूसरी सबसे कमाऊ भारतीय फिल्म

रणवीर सिंह की जासूसी एक्शन थ्रिलर फिल्म धुरंधर 2: द रिवेंज ने 19 मार्च को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। इस फिल्म ने 46 दिन पूरे कर लिए हैं और अभी तक बॉक्स ऑफिस पर अपना

कब्जा जमाकर बैठी है। फिल्म का खुमार लोगों पर इस कदर छाया है कि यह आए दिन किसी न किसी नए रिकॉर्ड को अपने नाम कर रही है। अब खबर है कि धुरंधर 2 ने बॉक्स ऑफिस पर फिर इतिहास रच दिया है। आमिर खान की फिल्म दंगल (लगभग 2,070 करोड़) के बाद, धुरंधर 2 वैश्विक स्तर पर दूसरी सबसे ज्यादा कमाई करने वाली भारतीय फिल्म बन गई है। रिपोर्ट के अनुसार, इसने 4 मई की सुबह तक कुल 1,789 करोड़ रुपये का वर्ल्डवाइड कलेक्शन किया है। इसने एसएस राजामौली की बाहुबली 2: द कंक्लूजन (अप्रैल, 2017) के 10 साल के रिकॉर्ड को चकनाचूर कर दिया। बता दें, बाहुबली 2 का वैश्विक कलेक्शन करीब 1,788 करोड़ रुपये है। धुरंधर 2 रिलीज के 46 दिन पूरे करने के बावजूद भारतीय बॉक्स ऑफिस पर अपनी हुकूमत बनाए हुए है। सैकनिल्क के मुताबिक, फिल्म ने 46वें दिन, यानी रविवार को 1.25 करोड़ रुपये कमाए। इसके बाद फिल्म का कुल घरेलू कलेक्शन 1,138.54 करोड़ रुपये हो गया है। धुरंधर 2, 2025 की ब्लॉकबस्टर फिल्म धुरंधर का सीक्वल है। पहली फिल्म भी सर्वकालिक ब्लॉकबस्टर थी, जिसने दुनियाभर में करीब 1,300 करोड़ रुपये से ज्यादा कारोबार कर दिखाया था।

पैट्रियट ने दुनियाभर में मचाई धूम, तीन दिन में वर्ल्डवाइड कलेक्शन 60 करोड़ के हुआ पार

पैट्रियट साल की मच अवेटेड फिल्म थी. मोहनलाल और ममूटी स्टारर इस स्पाई पॉलिटिकल थ्रिलर ने 1 मई 2026 को सिनेमाघरों में दस्तक दी थी. इसे क्रिटिक्स और ऑडियंस से मिक्स्ड रिव्यू

मिला और इसने कई नई फिल्मों से क्लैश के बावजूद शानदार ओपनिंग की. हालांकि वीकेंड पर द पैट्रियट के कलेक्शन में घरेलूबाजार में गिरावट दर्ज की गई लेकिन वर्ल्डवाइड इसने गर्दा उड़ा दिया है. जानते हैं इस फिल्म का तीसरे दिन का कलेक्शन कितना रहा है? मोहनलाल और ममूटी की द पैट्रियट की शुरुआत तो धमाकेदार हुई लेकिन फिर दूसरे ही दिन इसकी कमाई में मंदी देखी गई. वहीं ये फिल्म रविवार की छुट्टी का भी फायदा नहीं उठा पाई और इसके कलेक्शन में फिर काफी गिरावट दर्ज की गई है. फिल्म के कलेक्शन की बात करें तो सैकनिल्क के आंकड़ों के मुताबिक द पैट्रियट ने रिलीज के पहले दिन भारत में 10 करोड़ के कलेक्शन के साथ खाता खोला था. दूसरे दिन इस फिल्म ने 6.15 करोड़ कमाए. वहीं सैकनिल्क की अर्ली ट्रेंड रिपोर्ट के मुताबिक द पैट्रियट ने रिलीज के तीसरे दिन यानी संडे को घरेलू बाजार में 5.50 करोड का कलेक्शन किया है. इसी के साथ पैट्रियट की तीन दिनों की कुल कमाई अब 21.65 करोड़ रुपये हो गई है. पैट्रियट की कमाई में घरेलू बाजार में बेशक मंदी देखी जा रही है लेकिन विदेशों में ये फिल्म कमाल कर रही है. बता दे कि तीसरे दिन फिल्म ने अंतरराष्ट्रीय बाजारों में लगभग 9 करोड़ रुपये का ग्रॉस कलेक्शन किया. इससे फिल्म का कुल ओवरसीज ग्रॉस कलेक्शन 38.50 करोड़ रुपये तक पहुंच गया है. इसी के साथ घरेलू और विदेशी बॉक्स ऑफिस को मिलाकर इसकी वर्ल्डवाइड कमाई 63. 61 करोड़ रुपये हो गई है. जो तीन दिनों में हासिल की गई एक बड़ी उपलब्धि है. मलयालम भाषी क्षेत्रों में भी फिल्म का प्रदर्शन शानदार रहा, जिसके चलते यह फिल्म इस साल अब तक की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्म बन गई है. पैट्रियट का निर्देशन महेश नारायणन ने किया है और यह एक स्पाई–एक्शन थ्रिलर है जिसमें कई बड़े कलाकार हैं. ममूटी और मोहनलाल के साथ, फिल्म में फहद फासिल, कुंचको बोबन, नयनतारा, रेवती, दर्शना राजेंद्रन और राजीव मेनन मुख्य भूमिकाओं में हैं. इस फिल्म का म्यूजिक और बैकग्राउंड स्कोर सुशिन श्याम ने तैयार किया है.

जाह्नवी कपूर की फिल्म लग जा गले के लिए करना होगा लंबा इंतजार, क्या है वजह?

धर्मा प्रोडक्शन की आगामी फिल्म लग जा गले लंबे समय से लोगों का ध्यान आकर्षित कर रही है। फिल्म में जाह्नवी कपूर,

टाइगर श्रॉफ और लक्ष्य लालवानी, यह तीनों कलाकार मुख्य किरदारों में नजर आएंगे। फैंस जहां इस रिवेंज एक्शन ड्रामा की रिलीज का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं, तो वहीं ताजा अपडेट है कि इसकी शूटिंग को आगे खिसकाने का फैसला लिया गया है। इसके पीछे का कारण लक्ष्य के लुक में बदलाव को बताया गया है।

रिपोर्ट के मुताबिक, लक्ष्य के लुक में बदलाव की वजह से लग जा गले की शूटिंग अक्टूबर तक बढ़ाई गई है। सूत्र ने बताया कि चांद मेरा दिल में लक्ष्य का लुक सौम्य था, जबकि आगामी फिल्म लग जा गले के लिए उन्हें रफ एंड टफ अवतार अपनाना पड़ा, जिसके लिए उन्हें अपने बाल बढ़ाने पड़ेंगे, इसी कारण शूटिंग में देरी हो रही है। बता दें, अनन्या पांडे के साथ उनकी फिल्म चांद मेरा दिल 22 मई को रिलीज होगी।

सूत्र ने बताया कि फिल्म लग जा गले में, लक्ष्य को अपने लुक में बदलाव करना होगा। उन्हें अपने बाल बढ़ाने होंगे और फिर एक्शन फिल्म की शूटिंग दोबारा शुरू करनी होगी। यह पहला मौका होगा जब टाइगर के साथ लक्ष्य को स्क्रीन साझा करते हुए देखा जाएगा। उनके किरदारों के बीच का टकराव फिल्म का मुख्य आकर्षण होगा। चूकि जाह्नवी भी इसका हिस्सा हैं, जिससे कहानी लव ट्रायएंगल के इर्द–गिर्द घूमती दिखाई दे सकती है।

अपने डेस्क को व्यवस्थित करने के लिए अपनाएं ये 5 हैक्स, ध्यान केंद्रित करना होगा आसान

अगर आप ऑफिस में काम करते हैं तो आपका डेस्क काफी हद तक आपके काम करने के तरीके को प्रभावित कर सकता है। एक साफ–सुथरा और व्यवस्थित डेस्क न केवल आपके काम को आसान बनाता है, बल्कि आपके दिमाग को भी शांत रखता है। इस लेख में हम आपको कुछ आसान और प्रभावी तरीके बताएंगे, जिनसे आप अपने डेस्क को बेहतर तरीके से व्यवस्थित कर सकते हैं और अपने काम में ज्यादा ध्यान केंद्रित कर सकते हैं।

जरूरी चीजों को पास रखें

अपने डेस्क पर उन चीजों को हमेशा रखें, जो आपके लिए सबसे ज्यादा जरूरी हैं। जैसे कि आपके कंप्यूटर का माउस, कीबोर्ड और फोन का चार्जर आदि। इसके अलावा अगर आपको अक्सर कोई कागज चाहिए होता है तो उसे भी सामने रख लें। इससे आपको बार–बार उठकर चीजें ढूंढनी नहीं पड़ेगी और आपका समय बचेगा। इसके साथ ही आप बिना किसी रुकावट के अपना काम कर पाएंगे और आपका ध्यान भी बंटेगा नहीं।

एक समय पर एक ही काम करें

एक ही समय पर एक ही काम करना बहुत जरूरी है। इससे आपका ध्यान बंटेगा नहीं और आप ज्यादा काम कर पाएंगे। उदाहरण के लिए, अगर आप ई –मेल देख रहे हैं तो उसे पूरा करके ही अगले काम पर जाएं। इसी तरह अगर आप कोई रिपोर्ट लिख रहे हैं तो उसे पूरा करके ही दूसरे काम पर जाएं। इससे आपकी कार्यक्षमता बढ़ेगी और आप बेवजह की रुकावटों से बच सकेंगे।

फालतू सामान हटा देंः अपने डेस्क से फालतू सामान हटा दें, जैसे कि पुराने कागज, खाली पेन या कोई ऐसा सामान, जो अब आपकी जरूरत नहीं रहा। इससे आपका डेस्क साफ–सुथरा रहेगा और आपको काम करने में आसानी होगी। आप चाहें तो कुछ पौधे भी रख सकते हैं, जो माहौल को ताजगी देंगे और ध्यान केंद्रित करने में मदद करेंगे। एक साफ–सुथरा डेस्क आपके मनोबल को भी बढ़ाएगा और आप अधिक काम कर सकेंगे।

रंगों का सही चयन करेंः रंग भी आपके काम करने के माहौल को प्रभावित कर सकते हैं। हल्के रंगों का इस्तेमाल करें, जैसे कि हल्का नीला या हरा, जो आंखों को आराम देते हैं और ध्यान केंद्रित करने में मदद करते हैं। इसके अलावा आप चाहें तो कुछ छोटे–छोटे पौधे भी रख सकते हैं, जो माहौल को ताजगी देंगे और आपके मनोबल को बढ़ाएंगे। सही रंगों का चयन करने से आपका काम करने का माहौल बेहतर होगा और आप अधिक काम कर सकेंगे।

तकनीक का इस्तेमाल करें

आजकल कई ऐसी तकनीकी उपकरण उपलब्ध हैं, जो आपके काम को आसान बना सकती हैं। जैसे कि डिजिटल नोटबुक और स्मार्ट ऑर्गनाइजर आदि का इस्तेमाल करें। ये उपकरण न केवल आपका समय बचाएंगे, बल्कि आपके काम में भी सुधार करेंगे। इन तरीकों को अपनाकर आप अपने डेस्क को बेहतर तरीके से व्यवस्थित कर सकते हैं और अपने काम में ज्यादा ध्यान केंद्रित कर सकते हैं। इससे न केवल आपकी उत्पादकता बढ़ेगी, बल्कि आपका मनोबल भी मजबूत रहेगा।